हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-01 ● अंक- 185 ● भिलाई, गुरुवार 29 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई एक और याचिका

नई दिल्ली । उच्च शिक्षा संस्थानों को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों का लगातार विरोध हो रहा है। इन नियमों को सुप्रीम कोर्ट में भी चुनौती दी गई है। इसी क्रम में मंगलवार को एक और याचिका दाखिल की गई, जिसमें आरोप लगाया गया कि ये नियम सामान्य वर्ग के लिए भेदभावपूर्ण हैं। वकील विनीत जिंदल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। उन्होंने कहा कि ये नियम सामान्य वर्ग के लिए भेदभावपूर्ण हैं और उनके मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले हैं। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से मांग की गई है कि यूजीसी रेगुलेशंस-2026 के प्रावधान 3(सी) को लागू करने पर रोक लगाई जाए। इसके अलावा, 2026 के नियमों के अंतर्गत बनाई गई व्यवस्था सभी जाति के व्यक्तियों के लिए लागू हो। इससे पहले भी सुप्रीम कोर्ट में सामान्य वर्ग के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए नियम 3(सी) को चुनौती दी गई। एक जनहित याचिका (पीआईएल) में यूजीसी के नए नियम के नियम 3(सी) को मनमाना, भेदभावपूर्ण और असंवैधानिक बताते हुए रद्द करने की मांग की गई।

यूजीसी नियमों को लेकर देशभर में बवाल, सरकार जल्द जारी करेगी फैक्ट, कहा- दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के नए नियमों को लेकर देशभर में राजनीतिक और सामाजिक तनाव बढ़ता जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार इन नियमों को लेकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे कथित भ्रम का जवाब तथ्यों के साथ देने की तैयारी कर रही है। यूजीसी द्वारा लागू किए गए नए नियमों का उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में जाति-आधारित भेदभाव को रोकना और कैंपस में समानता सुनिश्चित करना बताया जा रहा है। ये नियम हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस में इक्विटी रेगुलेशन के तहत लाए गए हैं। यूजीसी के नए नियम 13 जनवरी 2026 को लागू किए गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन नए नियमों से ऊंची जाति के लोग नाराज हैं। अब सरकार इन नियमों पर जल्द ही अपना रुख साफ कर सकती है।

बारामती में लैंडिंग के दौरान दर्दनाक प्लेन हादसा

प्लेन हादसे में अजित पवार समेत 6 लोगों की मौत...

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र की राजनीति से एक स्तब्ध कर देने वाली खबर आई है। बुधवार, 28 जनवरी 2026 को उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निजी विमान उनके गढ़ बारामती में लैंडिंग के दौरान भीषण हादसे का शिकार हो गया। इस दुर्घटना में अजित पवार समेत 6 लोगों की मौत हो गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार आज सुबह एक बड़े विमान हादसे का शिकार हो गए हैं। मौके से मिली जानकारी के अनुसार, यह दुखद घटना उस समय हुई जब पवार एक चुनाव प्रचार के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बारामती जा रहे थे। लोगों ने बताया कि विमान जब लैंडिंग की कोशिश कर रहा था, तभी वह अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया। इस विमान में अजित पवार के साथ उनके कुछ सुरक्षाकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी भी सवार थे, जिनकी कुल संख्या 6 बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय प्रशासन से प्राप्त तस्वीरों के अनुसार, यह विमान बारामती के पास एक खुले खेत में जा गिरा। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विमान के परखच्चे उड़ गए और उसमें तत्काल भीषण आग लग गई। घटनास्थल से आ रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि पूरा विमान जलकर राख में तब्दील हो चुका है और आसमान में काले धुएं का गुबार छाया हुआ है। विमान का मलबा चारों तरफ फैला हुआ है और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ वहां जमा हो गई है। इस दर्दनाक हादसे में उपमुख्यमंत्री अजित पवार का निधन हो गया। हादसे की खबर

मिलते ही दिल्ली में मौजूद पवार परिवार के सदस्य बारामती के लिए रवाना हो गए हैं। सांसद सुप्रिया सुले, सुनेत्रा पवार और पार्थ पवार दिल्ली में शरद पवार के आवास पर एकत्रित हुए और वहां से एक साथ महाराष्ट्र के लिए निकले हैं। पूरे प्रदेश में अजित पवार के समर्थकों के बीच शोक की लहर दौड़ गई है। सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में दुर्घटना की विचलित करने वाली झलक देखी जा सकती है। घटनास्थल से जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें विमान पूरी तरह से जलकर राख होता दिखाई दे रहा है। विमान के गिरने के बाद आसमान में गहरे काले धुएं का गुबार उठता देखा गया, जिससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि विमान के गिरने के बाद हुए धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनी गई। घटनास्थल पर विमान के मलबे के चीथड़े बिखरे हुए हैं, जिससे यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि टक्कर कितनी जोरदार रही होगी। स्थानीय लोग बड़ी संख्या में क्रैश साइट पर जमा हो गए हैं और राहत कार्यों में मदद की कोशिश कर रहे हैं। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल तुरंत सक्रिय हो गया। मौके पर कई एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां रवाना की गई हैं।

पीएम मोदी ने जताया शोक

उन्होंने लिखा, अजित पवार जनता के नेता थे, जिनका ज़मीनी स्तर पर लोगों से मज़बूत जुड़ाव था। महाराष्ट्र के लोगों की सेवा करने में सबसे आगे रहने वाले एक मेहनती व्यक्ति के तौर पर उनका बहुत सम्मान किया जाता था। प्रशासनिक मामलों की उनकी समझ और गरीब और पिछड़े लोगों को सशक्त बनाने का उनका जुनून भी काबिले तारीफथा।

अमित शाह ने जताया दुख

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्लेन क्रैश में अजित पवार के निधन पर शोक जताया। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, आज एक दु:खद हादसे में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और हृष्ट के हमारे वरिष्ठ साथी अजित पवार जी को खो देने की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। अजित पवार जी ने बीते साढ़े तीन दशकों में जिस प्रकार महाराष्ट्र के हर वर्ग के कल्याण के लिए खुद को समर्पित किया, उसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

जमीन कब्जे की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाए

कब्जा मुक्त कराएं जमीन बख्शे न जाएं भू माफिया-सीएम योगी

गोरखपुर/ एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा कि किसी व्यक्ति की जमीन पर यदि किसी दबंग या भूमाफिया ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा है कि दूसरे की जमीन कब्जा करने वाले दबंगों, कमजोरों को उजाड़ने वालों तथा भूमाफिया को कतई न बख्शा जाए। उन्होंने कहा कि उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और सबक सिखाया जाए। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने

देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है। इस संबंध में जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान करीब 150 लोगों से मुलाकात कर उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि उनके रहते किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित व संतुष्टि परक निस्तारण का निर्देश देने के साथ मुख्यमंत्री ने लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। जनता दर्शन में दबंगों द्वारा जमीन कब्जा किए जाने की एक शिकायत पर मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद प्रशासन व पुलिस के अफसरों को निर्देशित किया कि जमीन कब्जे की शिकायत पर त्वरित कार्रवाई की जाए।

वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जांच करेगा

हैदराबाद। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) बुधवार को बारामती हवाई अड्डे पर हुए विमान हादसे की जांच करेगा जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मृत्यु हो गई। दिल्ली स्थित 'वीएसआर वेंचर्स' द्वारा संचालित 'लीयरजेट 46' विमान हवाई अड्डे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमानन नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अनुसार, चालक दल के सदस्यों सहित विमान में पांच लोग सवार थे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एएआईबी की एक टीम दुर्घटनास्थल का दौरा करेगी और दुर्घटना की जांच करेगी।

घुसपैठ और एसआईआर मुद्दे को लेकर तृणमूल पर बरसे

ममता बंगाल को बांग्लादेश बनाने की कोशिश कर रही

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष नितिन नवीन ने पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला करते हुए उस पर अवैध घुसपैठियों को संरक्षण देने, हिंदुओं को निशाना बनाने और मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को बाधित करने के लिए ओछी राजनीति करने का बुधवार को आरोप लगाया। नवीन ने आरोप लगाया कि तृणमूल जानबूझकर पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाने की कोशिश कर रही है और दावा किया कि एक तरफ जहां निर्वाचन आयोग घुसपैठियों व फर्जी मतदाताओं को

हटाने के लिए दृढ़ता से काम कर रहा है, वहीं सत्ताधारी पार्टी उन्हें संरक्षण देने में लगी है। उन्होंने कहा, तृणमूल सरकार पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती है। उसके कार्यकाल में राज्य की जनसांख्यिकी बदल रही है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। नवीन ने तृणमूल के इस आरोप को खारिज किया कि निर्वाचन आयोग विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के माध्यम से आम जनता को परेशान कर रहा है। उन्होंने कहा कि असलियत में डराने-धमकाने का काम राज्य प्रशासन कर रहा है। उन्होंने कहा, लोगों को परेशान निर्वाचन आयोग नहीं, बल्कि तृणमूल सरकार के एसडीओ और बीडीओ कर रहे हैं जो भय पैदा करने व निर्वाचन आयोग को बदनाम करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। नवीन ने तृणमूल पर यह भी आरोप लगाया कि राज्य में शासन की जगह अराजकता ने ले ली है।

अजित पवार की मौत पर महाजन बोलीं

महाराष्ट्र ने एक सामंजस्यपूर्ण व्यक्तित्व खो दिया-सुमित्रा...

इंदौर। लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने बुधवार को विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया और कहा कि इस सूबे ने एक सामंजस्यपूर्ण व्यक्तित्व खो दिया है। महाजन ने इंदौर में 'पीटीआई-भाषा' से कहा मैंने टीवी पर विभिन्न समाचार चैनलों पर विमान दुर्घटना के दृश्य देखे। मुझे पवार की मौत का बेहद दुख है। वह महाराष्ट्र के राजनीतिक और सामाजिक जीवन की बड़ी हस्ती थे और विपक्षी नेताओं के साथ भी उनके अच्छे संबंध थे। वह समझदारी के साथ सबसे सामंजस्य बनाकर चलते थे।

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता ने कहा कि पवार भरी सभा में अपनी गलती स्वीकार करने का साहस रखते थे और उनके इस गुण के कारण भी लोग उनका सम्मान करते थे। महाजन ने याद किया कि जब उन्होंने कुछ वर्षों पहले इंदौर में खो-खो की एशियाई स्पर्धा आयोजित की थी।

फाइव डे वर्किंग की मांग को लेकर सरकारी बैंकों की देशव्यापी हड़ताल, कामकाज प्रभावित होने की आशंका

नई दिल्ली। देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल के चलते मंगलवार को सरकारी बैंकों का कामकाज प्रभावित हो सकता है। बैंक कर्मचारी फाइव डे वर्किंग की मांग कर रहे हैं। हालांकि, निजी बैंक इस हड़ताल से प्रभावित नहीं होंगे। कई सरकारी बैंकों ने पहले ही स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दे दी है कि हड़ताल की वजह से बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ सकता है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) ने इस देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। यह संगठन नौ बैंक यूनियनों का संयुक्त मंच है, जो सरकारी बैंकों के अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करता है।

अजित पवार को दी श्रद्धांजलि

एनसीसी की रैली में बोले मोदी रैली महिला कैडेट्स की संख्या उत्साह बढ़ाने वाली.....

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार (28 जनवरी) को राजधानी दिल्ली के करियप्पा परेड ग्राउंड में आयोजित वार्षिक नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) पीएम रैली में शामिल हुए। पीएम मोदी के साथ इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपने विचार रखे। सभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने अजित पवार को श्रद्धांजलि दी। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, 'आज सुबह महाराष्ट्र में एक दुखद विमान हादसा हुआ है। इस हादसे ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार जी और हमारे कुछ दोस्तों को हमसे छीन लिया है। अजीत दादा ने महाराष्ट्र और देश के विकास में बहुत बड़ा योगदान दिया है। उन्होंने हमेशा सक्रिय होकर काम किया। मैं अजीत पवार जी के परिवार और आज जान गंवाने वाले अन्य लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।एनसीसी कैडेट्स को संबोधित करते हुए अपने भाषण में पीएम मोदी ने कहा कि, 'मैं यहां मौजूद सभी कैडेट्स और मित्र देशों से आए कैडेट्स और अधिकारियों का अभिनंदन करता हूं। इस बार भी यहां बहुत बड़ी

संख्या में गर्ल्स कैडेट्स आई हैं। मैं उनका विशेष रूप से अभिनंदन करता हूं। हृष्टष्ट एक ऐसा आंदोलन है, जो भारत की युवा शक्ति को आत्मविश्वासी बनाता है। अनुशासित बनाता है। संवेदनशील बनाता है और राष्ट्र के लिए समर्पित बनाता है।'यह आयोजन एक महीने तक चलने वाले वार्षिक एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर के समापन का प्रतीक है। जिसमें देश भर से 2406 कैडेट्स ने हिस्सा लिया है, जिसमें 898 लड़कियां भी शामिल थीं। प्रधानमंत्री की रैली का विषय 'राष्ट्र प्रथम ङ्क कर्तव्य निष्ठा युवा' है, जो भारत के युवाओं में कर्तव्य, अनुशासन और राष्ट्रीय प्रतिबद्धता की भावना को दर्शाता है। दरअसल, यह रैली एनसीसी गणतंत्र दिवस शिविर 2026 के भव्य समापन का प्रतीक है, जिसका औपचारिक उद्घाटन 5 जनवरी को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने किया था।

पहली बार बिना स्नान किए वापस लौटे शंकराचार्य

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से छोड़ा माघ मेला,स्वामी बोले-ऐसी कभी कल्पना नहीं की थी

प्रयागराज/ एजेंसी

प्रयागराज में चल रहे माघ मेला से शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने दुखी मन से विदा लेने का ऐलान किया है। बुधवार सुबह आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि वह आस्था और श्रद्धा के साथ माघ मेला में आए थे, लेकिन परिस्थितियां ऐसी बन गईं कि बिना स्नान किए ही लौटना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज हमेशा से शांति, विश्वास और सनातन परंपराओं की भूमि रही है और यहां से इस तरह लौटना उनके लिए बेहद पीड़ादायक है। शंकराचार्य ने बताया कि एक ऐसी घटना घटी, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी, जिससे उनका मन व्यथित हो गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि माघ मेला में स्नान करना उनके लिए केवल एक धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि आस्था का विषय था। बावजूद इसके, मौजूदा हालात में उन्होंने मेला छोड़ने का कठिन निर्णय लिया। उनके इस फैसले के बाद संत समाज और श्रद्धालुओं में चर्चा तेज

हो गई है। शंकराचार्य ने कहा कि हमने अन्याय को अस्वीकार किया है और न्याय की प्रतीक्षा करेंगे। आज शब्द साथ नहीं दे रहे स्वर बोझिल है। प्रयागराज की धरती पर जो कुछ घटित हुआ उसने हमारी आत्मा को झकझोर दिया है। संगम में स्नान किए बिना विदा ले रहे हैं। आज हम यहां से जा रहे हैं, लेकिन अपने पीछे सत्य की गूंज छोड़कर जा रहे हैं। सब कुछ कहा जा चुका है। कल शाम और प्रात: काल प्रशासन की ओर से हमारे मुख्य कार्यधिकारी को एक प्रस्ताव प्रशासन की ओर से भेजा गया था। जिसमें कहा गया कि आप जब जाना चाहेंगे हम आपको ससम्मान स्नान कराने के लिए तैयार हैं। सभी अधिकारी मौजूद रहकर पुष्पवर्षा करेंगे, लेकिन इसमें उस दिन की घटना के लिए क्षमा याचना नहीं की गई थी। हमें लगा यदि हम स्नान कर लेंगे और पुष्प वर्षा करवा लेंगे तो उस दिन की बात अधूरी रह जाएगी। ज्योतिर्मठ के पीठाधीश्वर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि जो असली मुद्दा है, जिसके लिए दस दिन तक हम फुटपाथ पर बैठे रहे। इतना लंबा समय दिया, लेकिन दस ग्यारह दिन बीत जाने के बाद जब जाने का निर्णय लिया तब प्रशासन की ओर से ऐसा प्रस्ताव सामने आया। इसलिए हमने स्वीकार नहीं किया, अगर प्रशासन का आग्रह स्वीकार करके स्नान कर लेता तो अपने भक्तों के साथ न्याय नहीं कर पाता।

पवार का आज होगा अंतिम संस्कार

तीन दिन का राजकीय शोक घोषित-देवेंद्र.....

महाराष्ट्र की राजनीति के एक युग का दुखद अंत हो गया है। उपमुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता अजित पवार के निधन से राज्य स्तब्ध है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फ्डणवीस ने तीन दिनों के राजकीय शोक की घोषणा की है। कल सुबह 11 बजे उनके पैतृक निवास बारामती में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। अजित पवार के निधन की खबर मिलते ही समूचे महाराष्ट्र में गमगीन माहौल है। उनके चाचा और राष्ट्रवादी राजनीति के भीष्म पितामह शरद पवार तुरंत उस अस्पताल पहुंचे, जहां उनके पार्थिव शरीर को रखा गया है। परिवार के

साथ-साथ समर्थकों की भारी भीड़ अस्पताल के बाहर जुटी हुई है। बारामती, जो अजित दादा की कर्मभूमि रही है, वहां सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। महाराष्ट्र के दिवंगत उपमुख्यमंत्री अजित पवार का अंतिम संस्कार गुरुवार को पुणे जिले के बारामती में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा।

गणतंत्र दिवस पर बिखरी सांस्कृतिक छटा, शान से लहराया तिरंगा

- जिले में उत्साह एवं हर्ष के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस
- मुख्य आयोजल दिग्विजय स्टेडियम में हुआ, विस अध्यक्ष ने किया ध्वजारोहण

राजनांदगांव। जिले में अपूर्व उत्साह और हर्ष के साथ गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य समारोह दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ध्वजारोहण कर संयुक्त परेड की सलामी ली।

विधानसभा अध्यक्ष ने उद्बोधन दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रदेश की जनता के नाम संदेश का वाचन किया गया। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने उल्लास एवं उमंग के प्रतीक रंगीन गुब्बारे आसमान में छोड़े। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने ध्वजारोहण के बाद समारोह में परेड का निरीक्षण किया। परेड द्वारा हर्ष फायर किया गया। परेड द्वारा तिरंगे को सलामी दी गई। विधानसभा अध्यक्ष ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशंसनीय कार्य करने के लिए प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया एवं उन्हें शुभकामनाएं दी। उन्होंने शहीद जवानों के परिवारजनों को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। स्वतंत्रता दिवस समारोह की परेड में आर्म्स प्लाटून के साथ-साथ एनसीसी और स्काउट-गाईड की टुकडियों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विजेता प्रतिभागियों एवं टीम को पुरस्कार वितरण किया। कलेक्टर कलेक्टर जितेन्द्र यादव, पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा उपस्थित थे।

शासकीय योजनाओं की थीम पर निकली झांकियां

जिले के 13 विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं से संबंधित आकर्षक झांकी का प्रदर्शन भी किया गया। नगर पालिक निगम राजनांदगांव, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग, छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित, जिला पंचायत, उद्यानिकी विभाग, आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, यातायात पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, जल संसाधन विभाग ने झांकी के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रस्तुत किया। जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक अध्यक्ष सचिन बघेल, पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, प्रदीप गांधी, कोमल सिंह राजपूत, संतोष अग्रवाल, सौरभ कोठारी, भावेश बैद, आईजी बालाजी राव, वनमंडलाधिकारी आयुष जैन, सीईओ सुरूचि सिंह व अन्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस : नव मतदाताओं का सम्मान, उत्कृष्ट बीएलओ को प्रशस्ति पत्र

बलरामपुर। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बलरामपुर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्यवहार न्यायाधीश आशीष कुमार चन्देहे तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र कुमार कटारा की उपस्थिति में भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के संदेश का प्रसारण किया गया। साथ ही भारत एवं राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

नव मतदाताओं, उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान-कार्यक्रम के दौरान नव पंजीकृत युवा मतदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने में विशेष पहल करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को भी सम्मान प्रदान किया गया। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए जिले के प्रत्येक विकासखंड से तीन-तीन बीएलओ को प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान किए गए।

स्वतंत्र और निर्भीक मतदान का आह्वान-व्यवहार न्यायाधीश आशीष कुमार चन्देहे ने कहा कि सभी नागरिकों को जाति,धर्म, समुदाय और किसी भी प्रकार के प्रलोभन से ऊपर उठकर स्वतंत्र, निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान ने मतदाताओं को अपने मत के माध्यम से योग्य प्रतिनिधियों के चयन का अधिकार दिया है, इसलिए प्रत्येक नागरिक को मताधिकार का अनिवार्य रूप से उपयोग करना चाहिए।

मेरा भारत, मेरा वोट'थीम पर आयोजन-कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी राजेंद्र कुमार कटारा ने बताया कि इस वर्ष 16वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 'मेरा भारत, मेरा वोट' थीम के तहत मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वोट का विशेष महत्व है, इसलिए सभी नागरिकों को अपने मताधिकार का सही और जिम्मेदार उपयोग करना चाहिए। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जो नागरिक अभी तक मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं हैं, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं, जिसके लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों सुविधाएं उपलब्ध हैं।

बाड़ी में पुलिस की रेड, 1 लाख 85 हजार के साथ 8 जुआरी गिरफ्तार

राजनांदगांव। घुमका थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए जुआरियों को पकड़ा है, उनके पास से 1 लाख 85 हजार रुपए बरामद किया गया है। पुलिस ने मामले में जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है, बताया गया कि सभी जुआरी चौरसिया बाड़ी के पास फड़ जमाकर जुआ खेल रहे थे, जिस पर कार्रवाई की गई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 26 जनवरी को सूचना मिली कि ग्राम घुमका के चौरसिया बाड़ी मे कुछ लोग रुपयों का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। इस पर पुलिस टीम बनाकर मौके पर भेजा गया, मौके पर सभी जुआरी रकम का दांव लगा रहे थे। इस पर पुलिस की टीम ने घेराबंदी कर सभी को गिरफ्तार किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से नगद रकम, मोबाइल और ताशपत्ती भी बरामद किया गया है। मौके से पुलिस टीम ने आरोपी मुकेश तिवारी पिता जगदीश तिवारी, मनोज बघेल पिता स्व0 खोरबहारा बघेल, शैलेन्द्र वर्मा पिता अशोक वर्मा, प्रमोद वर्मा पिता रामनाथ वर्मा, राकेश वर्मा पिता बेलाश वर्मा, देवा वर्मा पिता देवी लाल वर्मा, फागूराम यादव पिता आनंद राम यादव और खेमचंद वर्मा ऊर्फपप्पू पिता दयानंद वर्मा सभी निवासी ग्राम घुमका थाना घुमका जिला रानजांदगांव के रहने वाले हैं।

गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति से सराबोर हुआ शैक्षणिक परिसर

रामानुजगंज। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर रामानुजगंज स्थित सुभद्रा मेमोरियल पब्लिक स्कूल में गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्था के संरक्षक नंदलाल पांडे द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। इसके पश्चात अभिभावकों और अतिथियों ने भारत माता, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं वीर जवानों के छायाचित्रों पर पुष्पमाला अर्पित कर दीप प्रज्वलन किया। पूरे आयोजन में देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव का वातावरण देखने को मिला। विद्यार्थियों ने कविता, भाषण और विचार प्रस्तुति के माध्यम से राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान संविधान के मूल्यों, कर्तव्यों और नागरिक जिम्मेदारियों पर भी जोर दिया गया। आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में देशभक्ति, राष्ट्रीय चेतना और संविधान के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर संस्था के संचालक जितेंद्र पांडे, गीतांजलि पांडे, सच्चिदानंद पांडेय, राजेंद्र गुप्ता, मनोज गुप्ता, अभिषेक जायसवाल, वेद प्रकाश केशरी, विपुल सिंह, एमडी गुलाम, रोहित गुप्ता, रूपेश केशरी, शक्ति सोनी एवं अनीता सिंह सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं, अभिभावकगण और प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

सीएसआर महाविद्यालय में मनाया गया वार्षिकोत्सव, छात्रों ने दी रंगा रंग कार्यक्रमों की प्रस्तुति

कोटा। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. डी.एन. शर्मा ने अपने स्वागत अभिभाषण में महाविद्यालय प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण करते हुए कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थापित यह महाविद्यालय अत्यंत कम समय में सीमित संसाधनों के बावजूद विश्वविद्यालय के क्षितिज पर एक दैदीप्यमान नक्षत्र की तरह आलोकित हो रहा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति गत शैक्षणिक सत्र में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने अनेक विषयों में विश्वविद्यालय प्रावीण्य सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय के साथ ग्राम, खंड एवं जिला को गौरवान्वित किया; साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में राज्य एवं अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा में प्रतिभागी के रूप में चयनित होकर महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय का नाम प्रतिष्ठित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय नृत्य स्पर्धा, जो विद्यालय एवं महाविद्यालय स्तर पर आयोजित की गई थी, इसमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में क्रमशः 10,000 नकद, प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह; ?5,000 नकद व प्रशस्ति पत्र; तथा ?3,000 नकद व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही सांत्वना पुरस्कार के रूप में पाँच प्रतिभागियों को 1,000 नकद एवं प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 25 विद्यालय एवं महाविद्यालयों की भागीदारी रही, जिसमें प्रथम स्थान पर सी.एस.आर. महाविद्यालय के श्रवण कुमार एवं साथी पंथीनृत्य, द्वितीय पुरस्कार शारदा ज्ञान मंदिर एवं तृतीय पुरस्कार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटा को प्राप्त हुआ। सांत्वना पुरस्कार के रूप में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल खारगहना, शासकीय डी.के.पी. कोटा, अपेक्स इंटरनेशनल स्कूल कोटा, सी.एस.आर. महाविद्यालय की आकांक्षा एवं साथी तथा रानी पद्मावती महाविद्यालय लोरमी को 1,000 एवं प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ध्वजारोहण कर ली परेड की सलामी

शहीदो के परिजनो का किया सम्मानित

बलरामपुर। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बलरामपुर में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली और संदेश वाचन किया।

सशस्त्र टुकड़ियों ने दी तिरंगे को सलामी-ध्वजारोहण के पश्चात परेड में शामिल पुलिस बल एवं नगर सेना की सशस्त्र टुकड़ियों द्वारा हर्ष फायर कर राष्ट्रीय तिरंगे को सलामी दी गई तथा राष्ट्रपति का जयघोष किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा जिले के शहीद जवानों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। यह क्षण कार्यक्रम का भावनात्मक केंद्र रहा।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र-कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। उर्सुलाइन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झींगों द्वारा छत्तीसगढ़ की गौरव गाथा पर आधारित प्रस्तुति ने दर्शकों की सराहना बटोरी।

शासकीय योजनाओं की झांकियां-जिले में संचालित शासकीय योजनाओं को विभिन्न विभागों द्वारा झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया,जिससे आमजन को योजनाओं की जानकारी मिली।

परेड, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सम्मान-परेड एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। साथ ही जिले में उल्लेखनीय कार्य करने वाले विभिन्न विभागों के 67 अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

प्रशासनिक और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति-कार्यक्रम में कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा, पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, वन मंडल अधिकारी आलोक कुमार बाजपेई, जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर, रेडक्रॉस सोसायटी अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर देशभक्ति का पाठशाला है जहां बच्चों का सर्वांगीण विकास किया जाता है : सरोज दुर्गेश साहू

कोटा। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करगी रोड कोटा जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़ में मां सरस्वती पूजन, विद्यारंभ संस्कार एवं वार्षिकोत्सव समारोह के मुख्य अतिथि गेंदराम राजपूत (विद्या भारती विभाग समन्वयक बिलासपुर विभाग), अध्यक्षता सरोज दुर्गेश साहू (अध्यक्ष नगर पंचायत कोटा), विशिष्ट अतिथि प्रदीप कौशिक (उपाध्यक्ष नगर पंचायत कोटा), वेंकट लाल अग्रवाल (संरक्षक सदस्य सरस्वती शिशु मंदिर कोटा एवं पार्षद वार्ड क्रमांक 9 कोटा), मनजीत सिंह पवार (संस्थापक सदस्य सरस्वती शिशु मंदिर कोटा), अंजना चौकसे (पार्षद वार्ड क्रमांक 12 कोटा), गिरिराज गोस्वामी (पार्षद वार्ड क्रमांक 14 कोटा), विद्यालय समिति की अध्यक्ष अजय अग्रवाल उपाध्यक्ष संतोष दुबे, कोषाध्यक्ष देवेंद्र सिंह ठाकुर, व्यवस्थापक राम सजीवन गुप्ता, सह व्यवस्थापक भगवान प्रसाद सक्सेना, श्रेयांश तिवारी (सदस्य सरस्वती शिशु मंदिर कोटा), पंडित माधव प्रसाद चतुर्वेदी एवं विद्यालय के प्राचार्य बाबूलाल साहू ने पूरी विधि विधान से एक कुंडी हवन यज्ञ करके मां सरस्वती की पूजा, विद्या आरंभ संस्कार एवं वार्षिक उत्सव का शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि गेंदराम राजपूत ने सभा को संबोधित करते हुए सरस्वती शिशु मंदिर में होने वाले अनेक प्रकार के कार्यक्रमों की जानकारी दी। सरस्वती शिशु मंदिर से पढ़कर निकले हुए बच्चों की तारीफ करते हुए कहा कि आज सरस्वती शिशु मंदिर से पढ़कर निकले हुए छात्र-छात्राएं ऊंचे ऊंचे पद पर आसीन हो रहे हैं, कोई वैज्ञानिक बन रहा है, तो कोई आईएएस अफसर बन रहा है, तो कोई आईपीएस अफसर बन रहा है कोई विधायक बन रहा है ,तो कोई सांसद बन रहा है जो सरस्वती शिशु मंदिर विद्या भारती के लिए गौरव की बात है। इस पावन अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष की आसंदी से सरोज दुर्गेश साहू ने सरस्वती शिशु मंदिर की भूरि भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर में पढ़ाई के साथ-साथ संस्कार, सेवा एवं देश भक्ति की पाठ पढ़ाई जाती है सरस्वती शिशु मंदिर ही एक ऐसी संस्था है जहां पर बच्चों के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया जाता है। और उन्होंने विद्यालय को हर संभव मदद करने की बात करते हुए 100000 एक लाख रुपए विद्यालय को देने की घोषणा की। प्रदीप कौशिक (उपाध्यक्ष नगर पंचायत कोटा) ने भी 50000 पचास हजार रुपए विद्यालय को देने देने की घोषणा की। अंजना चौकसे (पार्षद वार्ड क्रमांक 12 नगर पंचायत कोटा) ने भी 50000 पचास हजार रुपए विद्यालय को देने की घोषणा की। गिरिराज गोस्वामी पार्षद वार्ड क्रमांक 14 नगर पंचायत कोटा में भी 50000 पचास हजार रुपए विद्यालय को देने की घोषणा की। विद्यालय में विद्या आरंभ संस्कार किया गया जिसमें 46 छोटे-छोटे भैया बहनों का पंडित माधव प्रसाद चतुर्वेदी के द्वारा विद्या आरंभ संस्कार किया गया बच्चों की माता ने अपने बच्चों की विद्याराम संस्कार कराकर खुशी महसूस की एवं वे सब सरस्वती शिशु मंदिर में ही अपने बच्चों को प्रवेश दिलाने की शपथ ली। इस पावन अवसर पर वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में 42 प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें प्राथमिक विभाग ,पूर्व माध्यमिक विभाग, एवं हायर सेकेंडरी विभाग के कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया एवं वार्षिक उत्सव में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम के टीम को ढाल देखकर पुरस्कार से नवाजा गया और कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं में 90% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को भी शील्ड एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि दुर्गेश साहू के साथ-साथ अनेक गणमान्य नागरिक माताऐं एवं बहने उपस्थित थे और कार्यक्रम एवं सरस्वती शिशु मंदिर की सभी भूरी भूरी प्रशंसा कर रहे थे सभी आपस में चर्चा कर रहे थे कि वास्तव में सरस्वती शिशु मंदिर में ही सर्वांगीण विकास हो सकता है अतः अपने बच्चों को यदि एक अच्छा नागरिक बनाना है तो सरस्वती शिशु मंदिर में ही प्रवेश दिलाकर श्रेष्ठ नागरिक एवं देशभक्ति, माता-पिता का आज्ञाकारी बनावे।

आचार्य विद्यासागर महाराज के द्वितीय समाधि स्मृति महोत्सव में पहुंचे केंद्रीय मंत्री

शिवराज बोले...मंत्री शब्द में अहंकार दिखता है, मैं यहां शिष्य के रूप में आया हूं

डोंगरगढ़ में हुआ आयोजन, शिक्षा मंत्री और सांसद भी हुए शामिल

राजनांदगांव। डोंगरगढ़ में मंगलवार को आचार्य विद्यासागर महाराज के द्वितीय समाधि स्मृति महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उनके साथ छग के शिक्षा मंत्री गजेंद यादव और सांसद संतोष पांडेय भी मौजूद रहे। मंच पर जैसे ही केंद्रीय मंत्री चौहान बोलने लगे तो उन्होंने कहा कि आज यहां वे मंत्री के तौर पर नहीं आए है, मंत्री शब्द में अहंकार दिखता है, मैं तो यहां गुरू के पास एक शिष्य के रूप में आया हूं। उन्होंने कहा कि जब वे आचार्य विद्यासागर महाराज के दर्शन करते आते और शीश झुकातें तो वह दृश्य आज भी उन्हें याद आता है। काश ऐसा होता कि आज हम उनके बारे में बोलते नहीं, बलकि उन्हें सुनते। चौहान ने कहा कि दूसरी तरफ यह भी है कि आज आचार्य महाराज कहां नहीं है, हर जगह वह है। चारों तरफ उनकी जय-जयकार है। जिस तरफभी देखो उनकी उपस्थिति का आभास है। उन्होंने कहा कि अपने जन्म का उत्सव तो सभी मनाते है, ये भूल जाते हैं कि जिंदगी का एक साल कम हो गया। जो मरण का उत्सव मनाते हैं, वे मौत को भी जीत जाते हैं। जैन परंपरा में मरण को जीतने की कला को समाधि कहते हैं। चौहान ने कहा कि विद्यासागर महाराज वर्तमान में रहकर भी वर्धमान में थे, वे लोक में रहकर भी आलोकित थे। शिष्यों के साधक थे, वे साध्य भी थे और साधन स्वरूप भी थे। आचार्य जीवन की जागृति भी थे और मोक्ष भी वही थे।

आत्मनिर्भर भारत और ऑपरेशन सिंदूर पर शानदार प्रस्तुति

कार्यक्रम में अतिथियों के पहुंचने बाद बच्चों के द्वारा आत्मनिर्भर भारत और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर शानदार नाटक प्रस्तुत किया गया। जिसने वहां मौजूद लोगों का मन मोह लिया। यहां पुलवामा में हुए आंतकी हमले को दर्शाया गया, साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को भी दिखाया गया। शानदार प्रस्तुति के बाद कार्यक्रम में और भी उत्साह देखने को मिला और उसे पश्चात स्कूली बच्चों के द्वारा परेड भी की गई।

पुष्पांजलि कार्यक्रम, सर्व धर्म प्रार्थना सभा आयोजित

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में राजधानी शहर रायपुर के ऐतिहासिक टाउनहाल के प्रांगण में स्थित महात्मा गाँधी की मूर्ति के सामने उनके निर्वाण दिवस (शहीद दिवस) 30 जनवरी 2026 शुकवार को सुबह 11 बजे पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन रखा गया है। साथ ही स्थल पर सर्व धर्म प्रार्थना सभा रखी गयी है, जिसमें विद्वान धर्मावलम्बियों द्वारा पवित्र धर्म ग्रंथों का पठन किया जाता है। शहीद दिवस पर राष्ट्र के अमर शहीदों को कृतज्ञ राष्ट्र द्वारा दो मिनट की सामूहिक मौन श्रद्धाजलि प्रत्येक वर्ष नियमित रूप से 30 जनवरी को प्रातः 11 बजे दी जाती है। कार्यक्रम में महात्मा गाँधी से संबधित मूर्ति स्थल में नियत दिवस को प्रतिमा स्थल का संधारण और प्रतिमा सहित उसके आसपास के क्षेत्र की विशेष सफाई, प्रतिमा की पुष्पसज्जा सहित आवश्यकतानुसार पेयजल की व्यवस्था रायपुर नगर पालिक निगम के संस्कृति विभाग के तत्वावधान में नगर पालिक निगम रायपुर के सम्बंधित क्षेत्र जोन क्रमांक 4 के सहयोग से की जायेगी।

संक्षिप्त समाचार

खड़े ट्रक से डीजल पार

रायपुर। अटारी रोड अमन कॉम्पलेक्स के पास खड़े ट्रक से अज्ञात चोरों ने 390 लीटर डीजल पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी जितेन्द्र पाल सिंह 30 वर्ष हीरापुर कबीरनगर का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि वह अपनी ट्रक को अटारी रोड अमन कॉम्पलेक्स के पास खड़ी किया था, तभी कार सवार अज्ञात चोरों ने ट्रक के डीजल टैंक का लॉक तोड़कर 390 लीटर डीजल पार कर दिया। चोरी गए डीजल की कीमत करीब 36414 रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में आमानाका पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान से बाइक समेत हजारों रुपए का सामान पार

रायपुर। अक्षय विहार कालोनी बोरियाखुर्द स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने बाइक सहित घरेलू सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी तुसार चंद्रवंशी 24 वर्ष अक्षय विहार कालोनी बोरियाखुर्द का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात चोर ने उसके सूने मकान का ताला तोड़कर घर में रखे बाइक और घरेलू सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। मामले में टिकरापारा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

बेटे और दामाद ही निकले हत्यारे : एक माह पुराने अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझी

रायपुर। रोज-रोज शराब पीने और नशे में मारपीट करने की आदत से तंग आकर एक व्यक्ति की उसके ही बेटे और दामाद ने मिलकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले की गहन जांच के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना मोपका स्थित अरपा विहार कॉलोनी की है।पुलिस के अनुसार 12 दिसंबर को अरपा विहार मोपका निवासी शंभू राम साहू की लाश उनके घर के अंदर मिली थी। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान थे और उसी चोट के कारण उसकी मौत हुई थी। शुरुआती तौर पर परिजन इसे दुर्घटना बता रहे थे, लेकिन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस को शुरू से ही मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा था।पुलिस ने हर पहलू से जांच करते हए तकनीकी साक्ष्य जुटाए और परिवार के संदिग्ध सदस्यों से पूछताछ की। जांच के दौरान मृतक के बेटे जय किशन साहू और दामाद किशन साहू पर संदेह गहराया। दोनों को हिरासत में लेकर जब सख्ती से पूछताछ की गई तो वे टूट गए और अपना जुर्म स्वीकार कर लिया।आरोपियों ने बताया कि शंभू राम साहू शराब पीने का आदी था और नशे की हालत में आए दिन घरवालों के साथ मारपीट करता था। इस वजह से पूरा परिवार मानसिक रूप से परेशान था। इसी तनाव के चलते 11 दिसंबर की रात बेटे और दामाद ने रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी। संघर्ष के दौरान मृतक के सिर में भी गंभीर चोट लग गई थी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि मृतक की शराबी प्रवृत्ति और घरेलू हिंसा के कारण परिवार के अन्य सदस्य भी आरोपियों के प्रति सहानुभूति जता रहे हैं।

विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया

बुनियादी सुविधाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

■ वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने बस्तर विकासखंड को दी 5.84 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

रायपुर/ संवाददाता

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज कहा कि बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ प्राचीन सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, जीर्णोद्धार और संवर्धन को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। मंत्री श्री कश्यप ने आज नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बस्तर विकासखंड में 5 करोड़ 84 लाख 76 हजार रूपए के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने फरसागुड़ा, सोरगांव, चेराकुर और छोटेअलनार में आयोजित कार्यक्रमों में शामिल हुई और ग्रामीणों को विकास योजनाओं की सौगात दी। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। श्री कश्यप ने कहा कि चेराकुर क्लस्टर के लिए सबसे अधिक 4 करोड़ 85 लाख 98 हजार रुपए के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें 4 करोड़ 64 लाख 98 हजार रुपए की लागत से बनने वाली चेराकुर से कोलेबेडा सड़क निर्माण प्रमुख है। यह सड़क क्षेत्र की कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी और ग्रामीणों के आवागमन को सुगम बनाएगी। साथ ही जल निकासी एवं यातायात सुधार के लिए विभिन्न स्थानों पर पुलिया निर्माण कार्यों का भी भूमिपूजन किया गया। सोरगांव और छोटेअलनार में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की शुरुआत की गई। सोरगांव क्लस्टर में 30 लाख 38 हजार रुपए की लागत से केशरपाल में सांस्कृतिक भवन, नयागुड़ापारा में सांस्कृतिक मंच, कुच्चीगुड़ा में सामुदायिक भवन और बनियागांव में हाई मास्क लाइट लगाने के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इसी प्रकार छोटेअलनार में 50 लाख 50 हजार रुपए की लागत से धवड़ागुड़ा, मांझीपारा और टेमरुगुड़ा में सामुदायिक भवनों का निर्माण प्रारंभ किया गया। ग्राम पंचायत छोटेअलनार की पेयजल समस्या को दूर करने हेतु

पानी टैंकर का वितरण भी किया गया। देवड़ा और तारागांव में पुलिया निर्माण का भूमिपूजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत फरसागुड़ा से हुई, जहाँ 17 लाख 90 हजार रुपए की लागत से आंगनबाड़ी केंद्र में अहाता निर्माण, शिवगुड़ी तालाब के पास मंडली भवन और भानपुरी में माता मंदिर के पास पुलिया निर्माण कार्यों का शुभारंभ किया गया। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि सुदूर वनांचल क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार और संस्कृति का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने चेराकुर-कोलेबेडा सड़क को क्षेत्र की प्रगति का आधार बताते हुए कहा कि 4.80 किलोमीटर लंबी यह सड़क ग्रामीणों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक होगी। उन्होंने बताया कि चेराकुर में जल निकासी सुधार हेतु पुलिया निर्माण भी कराया जा रहा है। वनमंत्री श्री कश्यप ने कहा कि आदिवासी संस्कृति और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने हेतु सांस्कृतिक भवन एवं सामुदायिक भवन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सोरगांव और छोटेअलनार में इन भवनों के निर्माण से सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम के अंत में मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि स्वीकृत सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराए जाएंगे ताकि ग्रामीणों को शीघ्र लाभ मिल सके। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती वेदवती कश्यप, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री संतोष बघेल, जिला पंचायत सदस्य श्री निर्देश दीवान सहित जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने जशपुर में होमस्टे का किया शुभारंभ

रायपर। जशपुर जिले को एक प्रमुख इको-पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में आज मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय बगिया में आयोजित कार्यक्रम में भारत के अग्रणी होमस्टे प्लेटफॉर्म होमस्टेज़ ऑफ इंडिया, छत्तीसगढ़ शासन और जशपुर जिला प्रशासन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इसके अंतर्गत ग्राम केरे को एक मॉडल सामुदायिक पर्यटन ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ग्राम केरे में तैयार किए गए होमस्टे का शुभारंभ किया गया। एमओयू के अंतर्गत जशपुर का पहला संगठित होमस्टे ग्राम बनाने की दिशा में कार्य होगा। एक सुव्यवस्थित एवं विस्तार योग्य होमस्टे-आधारित ग्रामीण पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना होगी। इस पहल के माध्यम से स्थानीय परिवारों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, सतत आजीविका को सुदृढ़ किया जाएगा तथा क्षमता निर्माण और कौशल विकास के जरिए युवाओं एवं महिलाओं में उद्यमिता को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस परियोजना का मूल उद्देश्य स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं प्राकृतिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन करना है, ताकि पर्यटन विकास समावेशी, समुदाय-स्वामित्व वाला और पर्यावरण की दृष्टि से सतत बना रहे तथा क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे। मुख्यमंत्री श्री साय की उपस्थिति में हुए इस समझौता का ज्ञापन पर कलेक्टर जशपुर श्री रोहित व्यास तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विनोद वर्मा और होमस्टेज़ ऑफइंडिया प्रा. लि. के प्रतिनिधियों ने हस्ताक्षर किए।

मन की बात' से पूरा देश और दुनिया नई चीजों से अवगत होती है-देव.....

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मासिक प्रसारण 'मन की बात' का रविवार को यहाँ स्थित कृषि महाविद्यालय के सभागार में सामूहिक श्रवण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा, स्थानीय सांसद, विधायकगण, छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान मोर्चा के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने प्रसारण के बाद पत्रकारों से चर्चा में कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रधानमंत्री श्री मोदी इस मंच के माध्यम से देश के सुदूर क्षेत्रों में हो रहे नवाचारों और सकारात्मक प्रयासों को जनता के सामने लाते

हैं। आज के संबोधन में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वच्छता, तालाबों और नदियों के संरक्षण, तथा देश में आधुनिक तकनीक के विस्तार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के ग्रामीण विकास विजन पर भी विशेष चर्चा हुई। श्री देव ने बताया कि 'विकसित भारत जी-राम जी' संकल्प के तहत ग्राम पंचायतों में ही विकास की रूपरेखा तैयार करने और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सुनिश्चित करने का कार्य तीव्र गति से चल रहा है। श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के 'मन की बात' से पूरा देश और दुनिया नई चीजों से अवगत होती है। चाहे वह स्वच्छता अभियान हो या जल संरक्षण, उनके विचार हमें एक बेहतर समाज बनाने की प्रेरणा देते हैं। आज किसान मोर्चा और संगठन के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों ने एक साथ बैठकर इस मार्गदर्शन को सुना।कार्यक्रम में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, कैबिनेट मंत्री श्री रामविचार नेताम, केदार कश्यप, गुरु खुशवंत साहेब, विधायक मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, नागरिक आपूर्ति निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष नंदन जैन, प्रबल प्रताप सिंह जूदेव, अमित साहू, अशोक बजाज, श्याम नारंग, शताब्दी पांडेय, किरण बघेल सहित भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति के लिए पेयजल योजनाओं का प्रभावी संचालन व अनुरक्षण सुनिश्चित करना जरूरी

■ केंद्र सरकार और राज्यों के बीच पंचायतों को हस्तांतरित पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव पर मंथन

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्री अरुण साव भारत सरकार द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण पेयजल सेवाओं के प्रभावी संचालन एवं अनुरक्षण (ह्र×रू) के लिए आयोजित मिनिस्टर्स लेवल पॉलिसी डायलॉग ऑन सस्टेनेबल ओएंडएम ऑफरुरल ड्रिंकिंग वाटर सर्विसेस में शामिल हुए। नई दिल्ली में आज आयोजित इस महत्वपूर्ण नीति संवाद की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल एवं केंद्रीय पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह ने की। बैठक में केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना, भारत सरकार के सचिव एवं अतिरिक्त सचिव सहित देश के विभिन्न राज्यों के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के मंत्री भी शामिल हुए। इस संवाद कार्यक्रम में भारत सरकार और विभिन्न राज्यों के बीच ग्रामीण जलापूर्ति व्यवस्था को दीर्घकालिक, सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने गहन विचार-विमर्श किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने नीति संवाद में छत्तीसगढ़ में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों, जमीनी स्तर पर आ रही चुनौतियों तथा राज्य की उपलब्धियों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिशन के तहत निर्मित पेयजल योजनाओं को पंचायतों को हस्तांतरित करने के बाद उनका प्रभावी संचालन एवं अनुरक्षण सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण जलापूर्ति बनी रहे। श्री साव ने पंचायतों की भूमिका, स्थानीय सहभागिता और तकनीकी सहयोग को जलापूर्ति व्यवस्था की स्थिरता का आधार बताया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से प्राप्त व्यावहारिक अनुभवों एवं सुझावों पर भी गहन चर्चा हुई, जिससे जमीनी स्तर पर जलापूर्ति व्यवस्था को और अधिक सशक्त, टिकाऊ तथा जनहितकारी बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें। राज्य की ओर से जल जीवन मिशन के मिशन संचालक श्री जितेंद्र शुक्ला, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता श्री ओंकेश चंद्रवंशी, अधीक्षण अभियंता श्री ए.के. मालवे तथा कार्यपालन अभियंता श्री संजय राठौर ने भी बैठक में भागीदारी की।

एमएसएमई संघों की प्रथम इंडस्ट्रियल कमेटी की बैठक संपन्न हुआ-अग्रवाल

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ राज्य के प्रमुख एमएसएमई संघों की प्रथम इंडस्ट्रियल कमेटी बैठक आज उद्योग भवन, रायपुर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम के चेयनमेन श्री राजीव अग्रवाल ने की। उन्होंने राज्य में औद्योगिक विविधीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए छत्तीसगढ़ में सतत औद्योगिक विकास के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में राज्य के 8 एमएसएमई संघों के कुल 11 प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य राज्य में हाल के औद्योगिक विकासों की समीक्षा करना तथा औद्योगिक वृद्धि की गति को और

अधिक सुदृढ़ करने हेतु एमएसएमई संघों से सुझाव प्राप्त करना था। प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए श्री ओ.पी. बंजारे ने इंडस्ट्रियल कमेटी के गठन के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि यह मंच एमएसएमई संघों के साथ संवाद स्थापित करने एवं उनकी समस्याओं के समाधान हेतु एक महत्वपूर्ण पहल है। उद्योग विभाग के निदेशक श्री प्रभात मलिक ने बैठक में विभाग द्वारा हाल ही में किए गए प्रमुख सुधारों की जानकारी दी। उन्होंने भूमि डायवर्जन प्रक्रिया के सरलीकरण तथा सरकारी ई-मार्केटप्लेस में एमएसएमई को वरीयता प्रदान किए जाने जैसे कदमों का उल्लेख किया, जिससे एमएसएमई की क्रय-विक्रय क्षमता में वृद्धि होगी। सीएसआईडीसी के प्रबंध संचालक श्री विश्वेश कुमार ने बताया कि औद्योगिक अवसंरचना का उन्नयन निगम की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। बैठक में एमएसएमई संघों के प्रतिनिधियों ने इंडस्ट्रियल कमेटी की इस पहल की सराहना की तथा राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बृहस्पति बाजार शिफ्टींग पर फिर हुआ बवाल.....

रायपुर। शहर के बृहस्पति बाजार को लेकर एक बार फिर विवाद गहराता नजर आ रहा है। नगर निगम ने बृहस्पति बाजार के सब्जी व्यापारियों को गोंड़पारा स्थित मुन्नूलाल शुक्ला स्कूल मैदान में शिफ्ट करने का नोटिस जारी किया है। नोटिस मिलते ही व्यापारियों में हड़कंप मच गया और विरोध खुलकर सामने आ गया।व्यापारियों का आरोप है कि बिना पुख्ता तैयारी के उन्हें जबरन दूसरी जगह भेजा जा रहा है।गोंड़पारा मैदान में न तो चबूतरे बनाए गए हैं,न ही शेड की व्यवस्था है। सुरक्षा के नाम पर बाउंड्री वॉल तक मौजूद नहीं है। व्यापारियों का कहना है कि मैदान में अत्यधिक धूल होने से सब्जियां खराब होंगी, जिससे ग्राहक भी नहीं आएंगे और छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाएगा।सब्जी व्यापारियों ने नगर निगम से सीधा सवाल किया है कि क्या उन्हें लिखित गारंटी दी जाएगी कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद सभी व्यापारियों को दोबारा बृहस्पति बाजार में ही जगह मिलेगी। दरअसल, बृहस्पति बाजार को मल्टी लेवल सब्जी बाजार के रूप में विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है। इसके लिए डीएमएफमद से करीब 14 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। निगम अधिकारियों के अनुसार इस परियोजना को पूरा होने में कम से कम एक साल का समय लग सकता है, इसी वजह से व्यापारियों को अस्थायी तौर पर गोंड़पारा शिफ्ट किया जा रहा है।कलेक्टर संजय अग्रवाल ने भरोसा दिलाया है कि निर्माण के बाद बृहस्पति बाजार में व्यापारियों के लिए पक्के चबूतरे, शेड, पार्किंग और अन्य सभी जरूरी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। प्रस्तावित मल्टी लेवल बाजार में 242 पक्के चबूतरे, 50 कार और 170 दोपहिया वाहनों की पार्किंग, फायर फाइटिंग सिस्टम और बेहतर स्टोरेज की सुविधा होगी।

डिजिटल तकनीक से मिली राहत : घर बैठे काटा टोकन

धान खरीदी व्यवस्था ने बदली महिला किसान चौती की ज़िंदगी

रायपुर/ संवाददाता

खरीफविपणन वर्ष 2025-26 की धान खरीदी के साथ ही छत्तीसगढ़ के गांवों में सिर्फ धान नहीं, बल्कि भरोसे, संतोष और आत्मविश्वास की नई फसल भी लहलहा उठी है। शासन की किसान-हितैषी नीतियों का जीवंत प्रमाण हैं धमतरी जिले के ग्राम संबलपुर की महिला किसान श्रीमती चौती बाई साहू, जिनकी कहानी संवेदनशील शासन और सुशासन की सशक्त मिसाल बनकर सामने आई है। अब तक परिवार में धान विक्रय की जिम्मेदारी चौती बाई के पति निभाते रहे थे, लेकिन इस वर्ष स्वास्थ्य कारणों से यह दायित्व उन्होंने स्वयं संभाला। यह उनके लिए केवल धान बेचने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की एक नई यात्रा थी। पूर्व निर्धारित तिथि पर कटे टोकन के अनुसार वे 57 क्विंटल धान लेकर खरीदी केंद्र पहुँचीं। पहली बार इतनी बड़ी जिम्मेदारी निभाने के बावजूद चौती बाई के चेहरे पर किसी तरह की घबराहट नहीं, बल्कि संतोष और आत्मविश्वास साफ झलक रहा था। उन्होंने बताया कि खरीदी केंद्र की सुव्यवस्थित, पारदर्शी और किसान-मैत्री व्यवस्था ने पूरे अनुभव को आसान और सम्मानजनक बना दिया। केंद्र में बारदाना, हमाल, डिजिटल तौल मशीन, प्रशिक्षित ऑपरेटर, पेयजल, शौचालय और बिजली जैसी सभी आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध थीं, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। धान विक्रय से प्राप्त राशि से चौती बाई अपने पति का बेहतर इलाज कराने की योजना बना रही हैं। उनकी आवाज़ में सरकार के प्रति आभार स्पष्ट महसूस किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में सरकार द्वारा 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय किसानों के लिए संबल साबित हुआ है। इससे खेती न केवल लाभकारी बनी है, बल्कि ग्रामीण परिवारों को आर्थिक सुरक्षा भी मिली है। चौती बाई मानती हैं कि बढ़े हुए समर्थन मूल्य से उनके परिवार के जीवन में स्थिरता आई है। घर के खर्च, इलाज और भविष्य की जरूरतों को लेकर अब पहले जैसी चिंता नहीं रही। उन्होंने धान खरीदी केंद्र के कर्मचारियों, हमालों और प्रशासनिक अमले की सराहना करते हुए कहा कि सभी ने सहयोग,

संवेदनशीलता और सम्मान के साथ कार्य किया। चौती बाई की कहानी केवल एक महिला किसान की सफलता नहीं, बल्कि यह प्रमाण है कि जब शासन की नीतियाँ ईमानदारी और प्रभावी क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतरती हैं, तो उनका लाभ सीधे अंतिम पंक्ति में खड़े किसान तक पहुँचता है। आज संबलपुर की चौती बाई सिर्फ धान बेचने वाली किसान नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ की किसान-केंद्रित नीतियों की सशक्त पहचान बन चुकी हैं। जिनकी मुस्कान में व्यवस्था पर भरोसा और बेहतर भविष्य की उम्मीद साफदिखाई देती है।

डिजिटल तकनीक से धान विक्रय हुआ आसान, किसान ज्योति प्रकाश ने घर बैठे काटा टोकन

सरगुजा जिले में धान उपार्जन की व्यवस्थित प्रणाली से किसान न केवल सशक्त हो रहे हैं, बल्कि खेती-किसानी के प्रति उनका उत्साह भी बढ़ा है। धान उपार्जन केंद्रों पर की गई पारदर्शी व्यवस्था ने धान विक्रय की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बना दिया है। इसी कड़ी में ग्राम केराकछार के किसान श्री ज्योति प्रकाश ने शासन की व्यवस्थाओं की सराहना की। किसान श्री ज्योति प्रकाश ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि उनके पिता श्री गोसई के नाम पर 32 क्विंटल धान का रकबा दर्ज है। उन्होंने बताया कि पहले समिति जाकर टोकन कटाने में काफी लंबा इंतजार करना पड़ता था, लेकिन शासन के 'किसान तुहर टोकन' मोबाइल ऐप ने इस समस्या का समाधान कर दिया है। ज्योति प्रकाश ने बताया कि उन्होंने घर बैठे ही मोबाइल के जरिए 32 क्विंटल धान विक्रय के लिए ऑनलाइन टोकन प्राप्त कर लिया, जिसमें उन्हें किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। धान विक्रय के लिए मेंड्रा कला उपार्जन केंद्र पहुंचे ज्योति प्रकाश ने बताया कि केंद्र में प्रवेश करते ही गेट पास, नमी परीक्षण और बारदाना उपलब्ध कराने की प्रक्रिया त्वरित रूप से पूरी की गई। उन्होंने समिति के कर्मचारियों के सहयोग और उपार्जन केन्द्रों में किसानों के लिए उपलब्ध पेयजल व अन्य सुविधाओं की भी प्रशंसा की।

संपादकीय

ईरान में बढ़ता संकट, भारत की चिंता बढ़ी

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। मंगलवार को ट्रंप ने ईरान को धमकी दी की अगर हमारा कहा नहीं माना तो नामोनिशान मिटा देंगे। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं।ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ने ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा। ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है। यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन को।अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है और भविष्य के सहयोग को सीमित कर सकती है।नई चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसद शुल्क से जुड़ी है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। वह वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाता रहा है। इस नाते उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना। तेहरान की स्थिति जटिल दिख रही है। भारत और ईरान के रिश्ते कभी विचारधारा से संचालित नहीं रहे।ये संबंध भूगोल, पहुंच और क्षेत्रीय संतुलन की जरूरत से बने हैं। ईरान में किसी भी तरह का बड़ा झटका भारत की वर्षों से साधी गई व्यापारिक राहों, कूटनीतिक समीकरणों और सुरक्षा गणनाओं को प्रभावित कर सकता है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो तेल बाजार में अस्थिरता, कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ना तय है।

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक 'खेला होगा' के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं।

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

(ललित गर्ग)

आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्घाटित होगी।एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए।

भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद

तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है। मत प्रतिशत में अंतर और सीटों का आंकड़ा भाजपा के लिए भले ही निराशाजनक रहा हो, पर संगठनात्मक विस्तार और सामाजिक आधार का विस्तार उसके लिए भविष्य की संभावनाओं के द्वार खोलता है। हाल के वर्षों में बंगाल में विकास का प्रश्न अपेक्षाकृत पीछे छूटता दिखाई दिया है। उद्योग, निवेश और रोजगार के मुद्दे राजनीतिक शोर में दब गए हैं। आम जनता की एक बड़ी चिंता यह भी है कि राज्य की राजनीति निरंतर टकराव और हिंसा के आरोपों से क्यों घिरी रहती है। चुनावी हिंसा, राजनीतिक कार्यकर्ताओं पर हमले और प्रशासन की निष्पक्षता पर उठते सवाल राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं। पड़ोसी देशों से अवैध घुसपैठ, सीमावर्ती इलाकों में जनसांख्यिकीय बदलाव और कानून-व्यवस्था की चुनौतियां भी राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी हैं। इन मुद्दों पर ममता सरकार का रुख अक्सर रक्षात्मक दिखाई देता है, जबकि भाजपा इन्हें राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक पहचान से जोड़कर व्यापक समर्थन जुटाने का प्रयास करती है।

महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों और बिहार में भाजपा को मिली हालिया सफलता ने पार्टी के आत्मविश्वास को निश्चित रूप से बढ़ाया है। भाजपा का यह विश्वास कि बंगाल अब भी राजनीतिक परिवर्तन के लिए तैयार है, केवल चुनावी आंकड़ों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह इसे एक लंबी रणनीति का हिस्सा मानती है। किंतु बंगाल कोई साधारण राजनीतिक मैदान नहीं है। यहां की सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक चेतना और ऐतिहासिक स्मृति किसी भी दल के लिए आसान नहीं रही है। ममता बनर्जी की सबसे बड़ी ताकत आज भी उनकी जमीनी पकड़ और भावनात्मक अपील है, जो उन्हें भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व से अलग, एक क्षेत्रीय और स्थानीय नेता के रूप में स्थापित करती है। आने वाले विधानसभा चुनाव वास्तव में इस बात की कसौटी होंगे कि जनता विकास, स्थिरता और कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देती है या फिर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति को? क्या ममता बनर्जी लगातार चौथी बार सत्ता में लौटकर यह सिद्ध कर पाएंगी कि केंद्र से टकराव ही उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक पूंजी है, या भाजपा जनता को यह विश्वास दिलाने में सफल होगी कि परिवर्तन ही स्थायित्व और विकास का रास्ता है, यह प्रश्न अभी खुला हुआ है। अदालती प्रक्रियाएं, राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी रणनीतियां अपनी जगह हैं, लेकिन अंतिम निर्णय बंगाल की जनता के हाथ में है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति आज संकीर्णता और सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के ऐसे दौर से गुजर रही है, जिसने विकास की गति को गंभीर रूप से अवरुद्ध किया है। कभी देश की आर्थिक, औद्योगिक और बौद्धिक राजधानी कहलाने वाला बंगाल-विशेषकर कोलकाता, आज निवेश, उद्योग और रोजगार के मोर्चे पर पिछड़ता हुआ दिखाई देता है। ममता बनर्जी के लंबे शासनकाल में औद्योगिक विश्वास का क्षरण, पूंजी पलायन, बंद होती इकाइयाँ और युवाओं का अन्य राज्यों की ओर पलायन इस गिरावट के स्पष्ट संकेत हैं। लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर उठते प्रश्न, विपक्षी आवाज़ों का दमन और चुनावी हिंसा की घटनाएँ राज्य के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य पर गहरी चोट करती हैं। इसके साथ ही, राज्य में सामाजिक ताने-बाने को लेकर बढ़ती आशंकाएँ भी कम चिंताजनक नहीं हैं। अनेक क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक संबंधों को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं; विशेषकर हिंदू समाज के एक हिस्से में असुरक्षा की भावना ने जनमन को आहत किया है। इन घटनाओं और धारणाओं ने जनता के भरोसे को कमजोर किया है और शासन के प्रति निराशा को बढ़ाया है। राजनीति जब पहचान और विभाजन के इर्द-गिर्द सिमटती है, तो विकास, समावेशन और सामाजिक सौहार्द पीछे छूट जाते हैं, यही आज के बंगाल की त्रासदी बनती दिख रही है।

ऐसे समय में बंगाल की जनता के लिए अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति सजग होना अनिवार्य है। यह राज्य केवल भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि उसकी अस्मिता उसकी बौद्धिक परंपरा, भावनात्मक संवेदनशीलता, धार्मिक सहअस्तित्व, आध्यात्मिक खोज और समृद्ध साहित्यिक विरासत से निर्मित है-रवींद्रनाथ से विवेकानंद तक की धरोहर इसे दिशा देती रही है। दंगों, हिंसा और भय के साए में इस अस्मिता पर जो दाग लगे हैं, उन्हें मिटाने का मार्ग शांतिपूर्ण, जागरूक और निर्भीक लोकतांत्रिक सहभागिता से ही निकलेगा। आगामी चुनाव जनता के लिए आत्ममंथन और आत्मनिर्णय का अवसर हैं-जहाँ मत केवल सत्ता नहीं, बल्कि बंगाल के भविष्य, उसकी संस्कृति और उसके लोकतांत्रिक आत्मसम्मान की रक्षा का माध्यम बनना चाहिए। बंगाल की बनती नई तस्वीर अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। यह तस्वीर संघर्ष और संभावनाओं, आशंकाओं और

डोनाल्ड ट्रंप की कूटनीतिक ब्लैकमेलिंग का वैश्विक फलाफल

(कमलेश पांडे)

देखा जाए तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियां नाटो पर दबाव बढ़ा रही हैं, खासकर ग्रीनलैंड विवाद और रक्षा खर्च मांग के माध्यम से। इसके वैश्विक दुष्प्रभाव या असर को समझते हुए ही अमेरिका ने पश्चिमी गोलार्द्ध में खुद को मजबूत करने के लिए बेनेजुएला सम्प्रभुता तहस नहस कांड कांड जैसा दुस्साहस दिखाया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीतिक रणनीति, विशेष रूप से टैरिफ़ और क्षेत्रीय दावों के माध्यम से, उनके मित्र देश रह रह कर परेशान हो उठते हैं। जबकि अमेरिका के शत्रु देश उनको आंख दिखाकर अपनी मनवाने से भी नहीं चूकते, खासकर चीन, रूस और ईरान जैसे दबंग देश। इससे जहां वैश्विक कूटनीति चौराहे पर खड़ी प्रतीत होती है, वहीं उनकी ढुलमुल नीति व्यापार को गहराई से प्रभावित कर रही है। यही वजह है कि यूरोपीय देश, जापान, भारत आदि अंदर से बेचैन हैं। सच कहूं तो राष्ट्रपति ट्रंफ का यह अव्यवहारिक व मतलबपरस्त रुख आर्कटिक सुरक्षा, नाटो एकता और बहुपक्षीय व्यापार नियमों को खुली चुनौती दे रहा है।

सबसे पहले इसी कसौटी पर यूरोप व नाटो देशों से जुड़े ग्रीनलैंड विवाद को समझते हैं, जहां ट्रंप ने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की मांग क्या रख दी, उनके इस अटपटी सोच से उनके मित्र भी बौखलाहट दिखाने लगे। जिससे परेशान अमेरिका ने सहयोगी से विरोधी बन रहे आठ यूरोपीय देशों (डेनमार्क, फ्रांस, जर्मनी आदि) पर 10 प्रतिशत टैरिफ़ लगाने की धमकी दी है, जो जून 2026 तक 25प्रतिशत हो सकता है। यही वजह है कि यूरोपीय नेता जैसे स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टर्सन और नीदरलैंड्स के विदेश मंत्री डेविड वैन वील ने सहयोग की बजाय संवाद पर जोर देते हुए इसे स्पष्ट 'ब्लैकमेल' करार दिया। वहीं, नाटो प्रमुख मार्क रुटे ने ट्रंप से बातचीत की पुष्टि की, लेकिन आर्कटिक क्षेत्र में तनाव बढ़ने की आशंका जताई।

जहां तक चीन-अमेरिका व्यापार युद्ध की बात को इस ब्लैकमेलिंग वाली कसौटी पर कसें तो प्रतीत होता है कि साल 2025 में ट्रंप द्वारा चीन पर 104न टैरिफ़ लगाने को चीन (बीजिंग) ने खुलकर 'ब्लैकमेलिंग' बताया और अंत तक लड़ने का वादा किया। चीनी पीएम ली कियांग ने इसे संरक्षणवाद का उदाहरण माना, और प्रतिक्रिया स्वरूप यूरोपीय संघ के साथ सहयोग बढ़ाने की बात कही। इससे वैश्विक शेयर बाजारों में मंदी की आशंका बढ़ी, क्योंकि अमेरिका ने 70+ देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ़ लागू किए।

वहीं ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति का वैश्विक प्रभाव भी साफ दिख रहा है, क्योंकि उनकी इस रणनीति से नाटो जैसे गठबंधनों में दरार डाल पड़ने लगी है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता के संकेत भी मिलने लगे हैं, क्योंकि 1 फरवरी 2026 की डेडलाइन नजदीक है। यूरोप ने आपात बैठक बुलाई, जबकि भारत जैसे देश भी 26प्रतिशत से 50 प्रतिशत टैरिफ़ का सामना कर रहे हैं। इससे इनकी बेचैनी समझी जा सकती है। कूल मिलाकर, ट्रंफ की ब्लैकमेलिंग वाली कूटनीति सिर्फ अमेरिका-प्रथम नीति को प्राथमिकता देती है, लेकिन इससे बहुपक्षीय संस्थाओं के कमजोर होते चले जाने की आशंका भी निराधार नहीं है।

हालांकि तत्काल विदड्रॉल नहीं हुआ। कुल मिलाकर, लेन-देन वाली कूटनीति गठबंधन की विश्वसनीयता को खतरे में डाल रही है। जबकि अमेरिकी सोच है कि यूरोप की गफलत में फंसकर रूस और एशिया की चकरघिन्नी में फंसकर चीन से खुली दुश्मनी लेने से बेहतर है कि खुद को पश्चिमी गोलार्द्ध यानी उत्तर अमेरिका व दक्षिण अमेरिका के देशों के बीच महफूज रखो और यहां पर यूरोपीय/एशियाई देशों की दाल नहीं गल सके, इस हेतु बेनेजुएला जैसी अप्रत्याशित कार्रवाई करते रहो। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चीन के साथ मिलकर भारत विरोधी चाल चल रहे बांग्लादेश को ट्रंप ने लगाया डंडा

अमेरिकी दूतावास ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि कोई भी आवेदक साक्षात्कार से पहले एक भी डॉलर जमा न करे। पहले भुगतान करने से वीजा मिलने की कोई गारंटी नहीं है और तीसरे पक्ष की वेबसाइटें ठगी का जरिया हो सकती हैं। दक्षिण एशिया की राजनीति इस समय दो परतों में खदबदा रही है। एक परत में बांग्लादेश की नीतियां हैं जो धीरे धीरे चीन को भारत की सबसे संवेदनशील भौगोलिक नस के पास लाने की कोशिश करती दिख रही हैं। दूसरी परत में अमेरिका का वह सख्त फैसला है जिसने एक झटके में ढाका को उसकी वास्तविक हैसियत का आईना दिखा दिया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार बांग्लादेश उन 38 देशों की सूची में डाल दिया गया है जिनके नागरिकों को अमेरिका जाने के लिए अब बी1-बी 2 वीजा पर भारी वीजा बॉन्ड देना पड़ सकता है। यह नियम 21 जनवरी 2026 से लागू होगा। बांग्लादेशी नागरिकों को व्यापार और पर्यटन के लिए अमेरिका जाने से पहले वीजा स्वीकृत होने के बाद पांच हजार, दस हजार या पंद्रह हजार डॉलर तक का बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। यह राशि किसी स्वचालित नियम से नहीं बल्कि दूतावास के कांसुलर अधिकारी के विवेक से तय होगी।

(नीरज कुमार दुबे)

अमेरिकी दूतावास ने साफ शब्दों में चेतावनी दी है कि कोई भी आवेदक साक्षात्कार से पहले एक भी डॉलर जमा न करे। पहले भुगतान करने से वीजा मिलने की कोई गारंटी नहीं है और तीसरे पक्ष की वेबसाइटें ठगी का जरिया हो सकती हैं। बॉन्ड केवल तभी जमा होगा जब वीजा स्वीकृत हो जाएगा और वह भी अमेरिका सरकार की आधिकारिक भुगतान प्रणाली के जरिये। नियम तोड़ने पर बॉन्ड जब्त हो जाएगा जबकि समय पर अमेरिका छोड़ने या यात्रा ही न करने की स्थिति में यह राशि वापस मिल सकती है।

देखा जाये तो यह फैसला केवल तकनीकी वीजा सुधार नहीं है। यह एक सख्त राजनीतिक संकेत है। अमेरिका साफ कर रहा है कि जिन देशों से अवैध प्रवास या नियम उल्लंघन का खतरा अधिक है उन्हें अब आसान पहुंच नहीं मिलेगी। बांग्लादेश को इस सूची में डालना उसके अंतरराष्ट्रीय व्यवहार पर सीधी टिप्पणी है।

इसी समय दूसरी तस्वीर और भी चिंताजनक है। भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में खटास के बीच चीन के राजदूत ने तीस्ता नदी परियोजना क्षेत्र का दौरा किया जो भारत के चिकन नेक के बेहद करीब है। यह वही संकरा भूभाग है जो भारत के मुख्य भूभाग को उसके पूर्वोत्तर राज्यों से जोड़ता है। तीस्ता नदी प्रबंधन और पुनर्स्थापन परियोजना के नाम पर चीनी मौजूदगी इस क्षेत्र में केवल विकास सहयोग नहीं कही जा सकती।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख सलाहकार पहले ही चीन के साथ गहरी साझेदारी के संकेत दे चुके हैं। बीते वर्षों में चीन ने बंदरगाह, सड़क, ऊर्जा और अब जल प्रबंधन तक अपनी पहुंच बढ़ाने की रणनीति अपनाई है। तीस्ता परियोजना में चीनी तकनीकी आकलन भारत के लिए एक सामरिक चेतावनी है क्योंकि जल संसाधन और सीमावर्ती बुनियादी ढांचा सीधे सुरक्षा से जुड़े होते हैं। इस प्रकार एक ओर ढाका बीजिंग को भारत की सबसे संवेदनशील नस के पास लाने की कोशिश करता दिख रहा है तो दूसरी ओर वाशिंगटन उसके लिए दरवाजे सख्त करता जा रहा है। वैसे देखा जाये तो बांग्लादेश इस समय

एक खतरनाक भ्रम में जी रहा है। उसे लग रहा है कि वह चीन की गोद में बैठकर क्षेत्रीय ताकत बन जाएगा और भारत पर दबाव बना सकेगा। चिकन नेक के पास चीनी गतिविधियों को न्यूनतम बताना या केवल तकनीकी सहयोग कहना अपने आप को धोखा देना है। यह वही इलाका है जहां एक छोटी-सी अस्थिरता भारत के पूर्वोत्तर को शेष देश से काट सकती है। ऐसे में चीन की मौजूदगी केवल बांग्लादेश की विकास जरूरत नहीं बल्कि एक सुनियोजित भू रणनीतिक चाल है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति भावनाओं से नहीं चलती। यहां हिसाब किताब ताकत और भरोसे का होता है। बांग्लादेश ने यह मान लिया था कि पश्चिम खासकर अमेरिका उसकी हर हरकत को नजरअंदाज करता रहेगा। यहीं सबसे बड़ी भूल हुई। डोनाल्ड ट्रंप की नीति शैली में न तो कूटनीतिक मुलायमियत है और न ही दिखावटी सहानुभूति। वीजा बॉन्ड का फैसला सीधे शब्दों में यह बताता है कि बांग्लादेश अब भरोसेमंद श्रेणी में नहीं रहा। यह फैसला प्रतीकात्मक से कहीं अधिक है। यह बांग्लादेशी मध्यम वर्ग, उच्च वर्ग और व्यापारिक तबके को सीधा आर्थिक झटका है। अमेरिका जाना अब केवल इच्छा नहीं बल्कि क्षमता का प्रश्न बन गया है। यह एक तरह का अनुशासनात्मक कदम है जो बताता है कि नियम तोड़ने की कीमत चुकानी होगी। सामरिक दृष्टि से यह घटनाक्रम भारत के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत देता है। अमेरिका का यह रुख बताता है कि वह क्षेत्र में गैर जिम्मेदार व्यवहार को लेकर आंख मूंदे नहीं बैठा है। चीन के साथ जरूरत से ज्यादा नजदीकी और आंतरिक अस्थिरता का मिश्रण किसी भी देश को वैश्विक संदेह के घेरे में ला सकता है। बांग्लादेश इसका ताजा उदाहरण है। ढाका को यह समझना होगा कि भारत के साथ टकराव और चीन पर अत्यधिक निर्भरता उसे किसी सुरक्षित भविष्य की ओर नहीं ले जाएगी। उलटे वह ऐसी स्थिति में फंस सकता है जहां न तो पश्चिम भरोसा करेगा और न ही चीन किसी संकट में वास्तविक सहारा बनेगा। इतिहास गवाह है कि बीजिंग अपने हित साधता है स्थायी दोस्ती नहीं निभाता। बहरहाल, वीजा बॉन्ड का यह फैसला केवल कागजी नियम नहीं बल्कि एक चेतावनी है। यह चेतावनी है कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में शरारतपूर्ण संतुलन साधने की कोशिशें अंततः भारी पड़ती हैं। बांग्लादेश को अपनी औकात और विकल्प दोनों पर गंभीर पुनर्विचार करना होगा। वरना चिकन नेक के पास खेली गई चालें और वाशिंगटन से मिला झटका मिलकर उसे ऐसे मोड़ पर ले जा सकते हैं जहां से वापसी आसान नहीं होगी।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नारायणपुर में 77वां गणतंत्र दिवस मनाया गया गरिमामय एवं हर्षोल्लास के साथ

शहीदों के परिजनों को शॉल एवं श्रीफल से किया सम्मानित, विकास कार्यो पर आधारित झांकियों का किया गया प्रदर्शन

नारायणपुर। नारायणपुर जिले में 77वें गणतंत्र दिवस पूरी गरिमामय एवं हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। बस्तर सांसद महेश कश्यप ने जिला मुख्यालय नारायणपुर में गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह में ध्वजारोहण किया। उन्होने इस अवसर पर परेड का निरीक्षण कर सलामी ली। इसके बाद उन्होंने जनता के नाम मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह शासकीय उच्चतर माध्यमिक खेल मैदान में आयोजित किया गया। आज के कार्यक्रम में 13 प्लाटून शामिल हुए, जिसमें शस्त्र सहित सीमा सुरक्षा बल, भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल, 16वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, जिला पुलिस बल पुरूष महिला, नगर सेना शामिल हैं। वहीं शस्त्र रहित प्लाटून में स्वामी आत्मानंद शासकीय महाविद्यालय, रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विद्यापीठ एनसीसी टोली बालक बालिका, शासकीय कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय सुलेंगा, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर बालिका स्टाउट गाईड, स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम शासकीय विद्यालय महावीर चौक और रामकृष्ण मिशन विद्यापीठ के बैंड दल ने भाग लिया। इन सभी का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह और उप निरीक्षक संजय टोप्पो ने किया। मुख्य अतिथि द्वारा जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। सांसद महेश कश्यप ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री के संदेश वाचन पश्चात् शहीदों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हे शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। इसके अलावा परेड कमांडरों से परिचय प्राप्त कर उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 84 अधिकारी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लोक नृत्यों के प्रदर्शन से शालेय छात्र छात्राओं ने बांधा समा

जिला स्तर पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह मे स्कूली बच्चों ने देश भक्ति एवं पारंपरिक नृत्यों से ओतप्रोत आकर्षक प्रस्तुति दी गई, जिसके अतर्गत पीएम मिडिल स्कूल पोर्टा केबिन देवगांव ने प्रथम स्थान, विशेष पिछड़ी जनजातीय अबुझमाड़िया आवासीय विद्यालय ओरछा ने द्वितीय स्थान और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नारायणपुर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा मार्च पास्ट शस्त्र सहित में प्रथम स्थान सीमा सुरक्षा बल नारायणपुर, द्वितीय स्थान नगर सेना महिला टोली और तृतीय स्थान भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल ने प्राप्त किया। इसी प्रकार मार्च पास्ट शस्त्र रहित में प्रथम स्थान स्वामी आत्मानंद शासकीय महाविद्यालय रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विद्यापीठ बैण्ड दल और तृतीय स्थान शासकीय कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय सुलेंगा बालिका दल ने प्राप्त किया। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह मे विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों पर आधारित झांकी निकाली गई। इन झांकियों के तहत् कुल 16 विभागों ने विकास मूलक एवं हितग्राही मूलक योजनाओ को प्रदर्शित किया गया।

महाविद्यालय सीनियर एनसीसी, द्वितीय स्थान रामकृष्ण मिशन विवेकानंद विद्यापीठ बैण्ड दल और तृतीय स्थान शासकीय कस्तुरबा गांधी आवासीय विद्यालय सुलेंगा बालिका दल ने प्राप्त किया। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह मे विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों पर आधारित झांकी निकाली गई। इन झांकियों के तहत् कुल 16 विभागों ने विकास मूलक एवं हितग्राही मूलक योजनाओ को प्रदर्शित किया गया।

शासकीय योजनाओं के सशक्त संवाहक बने पत्रकार

गणतंत्र दिवस पर प्रेस क्लब बीजापुर सम्मानित

बीजापुर। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिला स्तरीय समारोह में शासकीय योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय योगदान देने वाले जिले के समस्त पत्रकारों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रेस क्लब बीजापुर को सम्मान पत्र एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर मीडिया जगत की भूमिका को सराहा गया। समारोह के मुख्य अतिथि वन एवं प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने जिले के मीडिया प्रतिनिधियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सकारात्मक, निष्पक्ष और जनहितकारी पत्रकारिता लोकतंत्र की मजबूती का आधार है और पत्रकार समाज तथा शासन के बीच सेतु का कार्य करते हैं। मुख्य अतिथि कश्यप ने जिले के पत्रकारों द्वारा शासन की योजनाओं, विकास कार्यों एवं जनहितकारी कार्यक्रमों के सतत प्रचार-प्रसार को सराहनीय बताते हुए उनके योगदान को अनुकरणीय बताया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी मीडिया प्रतिनिधि इसी प्रतिबद्धता के साथ शासन की योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाते रहेंगे। गणतंत्र दिवस के गरिमामय अवसर पर प्रेस क्लब बीजापुर को मिला यह सम्मान जिले के समस्त पत्रकारों के सामूहिक प्रयास, निष्ठा और जिम्मेदार पत्रकारिता का प्रतीक रहा, जिससे उपस्थित जनसमूह में विशेष उत्साह और गौरव का वातावरण देखने को मिला।

देशभक्ति और उल्लास के रंग में रंगा बीजापुर, गरिमामय समारोह के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

बीजापुर। जिले में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। जिला स्तरीय मुख्य समारोह का आयोजन मिनी स्टेडियम में किया गया, जहां छत्तीसगढ़ शासन के वन तथा बीजापुर जिले के प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तपश्चात मुख्य अतिथि ने परेड की सलामी ली और परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री का जनता के नाम संदेश का वाचन किया। समारोह के दौरान उत्साह और उमंग के प्रतीक रंगीन गुब्बारों को आकाश में छोड़ा गया। मुख्य अतिथि कश्यप ने शहीद जवानों के परिजनों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत परेड कमांडरों के साथ फोटो सेशन तथा वंदे मातरम् का सामूहिक गायन भी किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर संबित मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव विशेष रूप से उपस्थित रहे। गणतंत्र दिवस के गरिमामय आयोजन में स्कूली बच्चों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं व्यायाम प्रदर्शन की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। विभिन्न विभागों द्वारा विभागीय योजनाओं पर आधारित झांकियां भी प्रस्तुत की गई। परेड प्रदर्शन में छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल ने प्रथम स्थान, सीआरपीएफ ने द्वितीय स्थान एवं जिला पुलिस बल (महिला) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर वर्ग में गाइड प्रथम, एनसीसी द्वितीय एवं एनएसएस तृतीय स्थान पर रहे। विभागीय झांकियों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को प्रथम, वन विभाग को द्वितीय तथा स्वास्थ्य विभाग को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम स्कूल बीजापुर प्रथम, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल बीजापुर द्वितीय एवं डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल मांझीगुड़ा तृतीय स्थान पर रहा। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह में क्षेत्रीय विधायक विक्रम शाह मंडावी पूर्व मंत्री महेश गागड़ा,नगरपालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी सहित जनप्रतिनिधिगण, जिला प्रशासन, पुलिस एवं वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी-कर्मचारी, वरिष्ठ नागरिकगण एवं मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में गरिमामयी उपस्थित रही।

स्वयं सेना में न जा सके तो दूसरों को बना रहे फौजी : भानुप्रतापपुर में नंद किशोर की अनूठी पहल

भानुप्रतापपुर। जज्बा अगर सच्चा हो तो मंजिलें खुद-ब-खुद मिल जाती हैं। कुछ ऐसी ही कहानी है बालोद जिले के ग्राम गुजरा निवासी नंद किशोर खुडसेर की। कभी खुद फौज की वर्दी पहनने का सपना देखने वाले नंद किशोर आज दर्जनों युवाओं के सपनों को हकीकत में बदल रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में क्षेत्र के युवा न केवल शारीरिक रूप से मजबूत हो रहे हैं, बल्कि भारतीय सेना और पुलिस बल में अपनी जगह भी पक्की कर रहे हैं। नंद किशोर आज भानुप्रतापपुर में दर्जनों युवाओं के सपनों को पंख लगा रहे हैं। नंद किशोर खुद सेना में भर्ती होना चाहते थे, लेकिन किन्हीं कारणों से उनका चयन नहीं हो पाया। उन्होंने हार मानने के बजाय आसपास के युवाओं को ट्रेनिंग देना शुरू किया। रिस्पॉन्स इतना बेहतर मिला कि वर्ष 2024 में उन्होंने 'शहीद गैंद सिंह नायक फिजिकल एक्टिविटी एंड फिटनेस ग्रुप' की नींव भानुप्रतापपुर में रखी। देश सेवा का जज्बा रखने वाले इन युवाओं और उनके निस्वार्थ मार्गदर्शक नंद किशोर खुडसेर की इस पहल की क्षेत्र में जमकर सराहना हो रही है। आम जनमानस और स्थानीय प्रबुद्ध वर्ग का मानना है कि ऐसे प्रशिक्षकों का सरकारी स्तर पर भी सहयोग होना चाहिए ताकि बस्तर के वनांचल क्षेत्रों से अधिक से अधिक युवा देश की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

प्रतियोगिता के परिणाम

100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में प्रथम शुभम, द्वितीय लोकेश, तृतीय महावीर , 400 मीटर दौड़ में प्रथम शुभम द्वितीय सूरज, तृतीय लोकेश, 1600 मीटर दौड़ में प्रथम शुभम, द्वितीय महावीर, तृतीय गोपी रहा। बालिका वर्ग में 100 मीटर दौड़ में प्रथम वर्षा, द्वितीय शालिनी , तृतीय देविका, 400 मीटर दौड़ में प्रथम लता, द्वितीय स्मिता, तृतीय देविका, 1600 मीटर प्रथम सुस्मिता द्वितीय तनुजा, तृतीय मोनिका रही।

प्रतिभाओं का सम्मान : प्रेस क्लब में पुरस्कार वितरण

हाल ही में एकेडमी द्वारा 1600 मीटर, 400 मीटर और 100 मीटर दौड़ के साथ लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया था। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को प्रेस क्लब भानुप्रतापपुर में सम्मानित किया गया। प्रेस क्लब के अध्यक्ष अजय साहू ने सफल प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया।

न्यूनतम शुल्क : प्रवेश शुल्क मात्र 500 रुपये और मासिक शुल्क 700 रुपये

गरीब बच्चों के लिए निःशुल्कः जो बच्चे आर्थिक रूप से सक्षम नहीं हैं, उन्हें निःशुल्क कोचिंग दी जाती है। वर्तमान में 66 बच्चों में से 17 ऐसे हैं जिन्हें नंद किशोर न केवल मुफ्त ट्रेनिंग दे रहे हैं, बल्कि अपने पास रखकर भोजन भी उपलब्ध करा रहे हैं। पहले ही साल में 20 से ज्यादा चयन नंद किशोर के प्रशिक्षण का लोहा पूरा क्षेत्र मान रहा है। पहले ही वर्ष में एकेडमी के 20 से अधिक युवाओं का चयन सीआरपीएफ बीएसएफ जिला पुलिस और नगर सेना में हो चुका है। वर्तमान में वे आर्मी, सीआरपीएफ और पुलिस भर्ती के लिए लिखित व फिजिकल परीक्षा की तैयारी करा रहे हैं।

'जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह'

'विधायक लता उसेंडी ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज'

कोण्डागांव। जिले में 77 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय के विकास नगर स्टेडियम में आयोजित मुख्य समारोह में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधायक लता उसेंडी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली। इसके बाद विधायक उसेण्डी ने कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना और पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के साथ परेड का निरीक्षण किया। साथ उत्साह के प्रतीक तीन रंगों के गुब्बारे आसमान में छोड़े गये। इस दौरान अर्द्धसैनिक बल और पुलिस बल के जवानों के साथ नगर सेना, एनसीसी एवं एनएसएस के कैडेटों ने देश सेवा की जज्बे के साथ आकर्षक मार्च पास्ट किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक उसेंडी ने सभी जिले वासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी और समारोह में उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का जनता के नाम संदेश का वाचन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि द्वारा परेड कमांडर उप पुलिस अधीक्षक सतीश भार्गव, सेकंड इन कमांडर एएसआई दिनेश डहरिया, आईटीबीपी 29वीं बटालियन, आईटीबीपी 41वीं बटालियन, जिला पुलिस बल पुरूष, जिला पुलिस बल महिला प्लाटून कमांडर, नगर सेना के प्लाटून कमांडर, एनसीसी जूनियर डिवीजन बालक, एनसीसी जूनियर विंग्स बालिका, एनएसएस बालक एवं एनएसएस बालिका के प्लाटून कमांडर से परिचय प्राप्त किया। इसके बाद उन्होंने शहीद जवानों के परिजनों से मुलाकात कर उनका सम्मान किया।

'छात्र-छात्राओं ने दी सांस्कृतिक एवं देशभक्तिपूर्ण कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति'

गणतंत्र दिवस समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं ने व्यायाम और मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति और विविध संस्कृति पर आधारित कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय कोंडागांव द्वारा महिला क्रिकेट टीम द्वारा वर्ल्ड कप जीत पर आधारित प्रस्तुति को प्रथम, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जामकोट पारा द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की प्रस्तुति को द्वितीय और शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोण्डागांव द्वारा लोकगीत की प्रस्तुति को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। वहीं परेड प्रदर्शन में आईटीबीपी 29वीं बटालियन को प्रथम, जिला पुलिस बल पुरुष को द्वितीय और नगर सेना महिला को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। इसी प्रकार जूनियर वर्ग में एनसीसी बालक प्रथम, एनसीसी बालिका द्वितीय और एनएसएस बालक तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर वन विभाग, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, पशु चिकित्सा विभाग, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, आदिवासी विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, जल संसाधन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, विद्युत विभाग, क्रेडा एवं यातायात विभाग द्वारा शासन की जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर आधारित आकर्षक झांकी प्रदर्शित की गयी। इन झांकियों में शिक्षा विभाग को प्रथम प्रस्थान प्राप्त किया। गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न विभागों के उत्कृष्ट कार्य हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

अबूझमाड़ के जाटलूर में पहली बार लहराया तिरंगा

आईटीबीपी ने ग्रामीणों संग मनाया 77वां गणतंत्र दिवस

नारायणपुर। अबूझमाड़ के दुर्गम जंगल क्षेत्र में तैनात 38वीं वाहिनी आईटीबीपी द्वारा देश का 77वां गणतंत्र दिवस जाटलूर घाटी के जाटलूर गांव में उत्साह और आत्मीय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन कमांडेंट रोशन सिंह असवाल के नेतृत्व में ई-सीओबी जाटलूर के कमांडर सहायक कमांडेंट राम कुमार मौर्य द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों एवं ग्रामीणों के साथ तिरंगा फहराया गया तथा सभी को मिठाइयां वितरित की गईं। इसके बाद आईटीबीपी कैंप परिसर में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें जाटलूर एवं हारवेल गांव के 150 से अधिक ग्रामीणों ने सहभागिता की और एक साथ भोजन का आनंद लिया। इस पहल से क्षेत्र में खुशी और अपनत्व का माहौल देखने को मिला। उल्लेखनीय है कि ई-सीओबी जाटलूर की स्थापना आईटीबीपी द्वारा हाल ही में की गई है। कैंप स्थापित होने के बाद से स्थानीय ग्रामीण धीरे-धीरे देश की मुख्यधारा से जुड़ने लगे हैं। आईटीबीपी द्वारा ग्रामीणों को निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही कैंप के सामने पेयजल स्टॉल और बैठने की व्यवस्था भी की गई है, जिससे दूरदराज से आने वाले लोगों को राहत मिल रही है। ग्रामीणों ने बताया कि सुरक्षा बलों की इस संवेदनशील पहल से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। यह पूरी व्यवस्था 38वीं वाहिनी आईटीबीपी के अधिकारियों और जवानों के समर्पण, जोश और सेवा भाव का परिणाम है।

बीटीओए कार्यालय में मनाया गया 77 वां गणतंत्र दिवस

किरन्दुल। 26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार सुबह 08 बजे बैलाडिला ट्रक ओनर्स एसोसिएशन संस्था में अध्यक्ष मनोज सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं उपस्थित लोगों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।तत्पश्चात राष्ट्रगान गाकर तिरंगा को सलामी दी गई एवं मिष्ठान वितरण किया गया।मौके पर बीटीओए सचिव आकाश गोयल,अन्य पदाधिकारी एवम सदस्यगण उपस्थित थे।

एनएमडीसी बचेली में गणतंत्र दिवस का भव्य आयोजन

बचेली। गणतंत्र दिवस के अवसर पर सोमवार बीआईओएम बचेली कॉम्प्लेक्स में भव्य कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ।परियोजना के केवी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक ने झंडा फहराया एवं परेड का निरीक्षण किया।इस अवसर पर परियोजना में स्थित विभिन्न विद्यालयों की ओर से मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गई।सभी विद्यालयों के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अंतर्गत समूह नृत्य और पीटी अर्थात शारीरिक अभ्यास प्रस्तुत किया।साथ ही महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों के लिए म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।इस अवसर पर परियोजना की विभिन्न सांस्कृतिक समितियों ने स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल भी लगाए।मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख श्रीधर कोडाली, मुख्य महाप्रबंधक ने अपने संबोधन में सभी को गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए एनएमडीसी बचेली की उपलब्धियों को रेखांकित किया।उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा में पर्यावरण हितैषी खनिक के रूप में एनएमडीसी का योगदान महत्वपूर्ण है।उन्होंने आगे कहा कि भविष्य में भी एनएमडीसी अपने उत्पादन और सीएसआर प्रकल्पों के माध्यम से भारत की विकास यात्रा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी।इस कार्यक्रम में बीआईओएम बचेली के विभिन्न विभागाध्यक्षगण,श्रमिक संघों के पदाधिकारीगण,अधिकारियों,कर्मचारियों एवं बचेली नगरवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रहीं।

किरन्दुल फुटबॉल ग्राउंड में मनाया गया 77 वां गणतंत्र दिवस

किरन्दुल। दिनांक 26 जनवरी को लौहनगरी किरन्दुल स्थित फुटबॉल ग्राउंड सोमवार सुबह 09 बजे देश का 77 वां गणतंत्र दिवस मनाया गया।मुख्य अतिथि एनएमडीसी अधिशासी निदेशक रवींद्र नारायण एवं वरिष्ठ कर्मचारी राजेश संधू ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। मुख्य अतिथि ने सीआईएसएफ जवानों, एनसीसी कैडेट एवं स्कूल छात्र-छात्राओं की परेड की सलामी ली। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने देश के विकास में एनएमडीसी द्वारा दिए जा रहे महत्वपूर्ण योगदान बताया गया। परियोजना कर्मचारियों से उत्पादन-उत्पादकता के कीर्तिमान हासिल करने की अपील एवं सीएसआर के तहत आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे विकासात्मक कार्यों को भी बताया। मुख्य अतिथि ने बेस्ट वर्कर्स अवार्ड प्रदान किए। बीआईओपी स्कूल द्वारा एकता गीत प्रस्तुत किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा केवीएस, डीएवी, प्रकाश विद्यालय एवं बीआईओपी स्कूल द्वारा देशभक्ति कार्यक्रम की प्रस्तुतियां की गई। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि प्रेरणा महिला समिति अध्यक्ष नमिता नारायण, मुख्य महाप्रबंधक (उत्पादन) के पी सिंह, उप महाप्रबंधक मानव संसाधन के एल नागवेणी,कमांडेंट सीआईएसएफ।

गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

कोण्डागांव। शासकीय गुण्डाधुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोंडागांव में गणतंत्र दिवस का आयोजन गरिमामय एवं देशभक्ति के वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण से हुई, जिसे महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. किरण नूरुटी ने सम्पन्न कराया। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान गाया गया तथा शासन के निर्देशानुसार वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को स्मरणीय बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् का सामूहिक गायन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के उन पूर्व छात्रों को विशेष श्रद्धांजलि अर्पित की गई, जिन्होंने भारतीय सेना एवं पुलिस बल में सेवाएं देते हुए अदम्य साहस और वीरता का परिचय दिया तथा देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए। इसके साथ ही स्थानीय जननायक गुण्डाधुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। मंचीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ध्वजारोहण अधिकारी डॉ. किरण नूरुटी ने अपने उद्बोधन में कहा कि गणतंत्र दिवस हमें संविधान की मूल भावना न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व को जीवन में उतारने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को समझें और अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा एवं राष्ट्र प्रेम को अपने आचरण में शामिल करें। प्राध्यापक डॉ. पुरोहित सोरी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि गणतंत्र भारत की पहचान उसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का भी बोध होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों के प्रति सजग और जागरूक बने रहने की बात कही। प्राणिशास्त्र विभागाध्यक्ष शोभाराम यादव ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि आज का यह पर्व हमें त्याग, संघर्ष और बलिदान की परंपरा से जोड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों से समाज और देश के प्रति सकारात्मक योगदान देने का आह्वान किया। सहायक प्राध्यापक अर्जुन नेताम ने गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 26 जनवरी केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा का उत्सव है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्र की एकता और अखंडता बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया।

संक्षिप्त समाचार

राज्य स्तरीय रोजगार मेला रायपुर में 31 जनवरी को

बिलासपुर। राज्य स्तरीय रोजगार मेला का आयोजन 31 जनवरी 2026 को सवेरे 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज सेजबहार रायपुर में किया जा रहा है। मेले में 45 से अधिक विभिन्न कंपनियों के द्वारा 15 हजार रिक्त पदों पर भर्ती की कार्यवाही की जाएगी। जिसमें तकनीक एवं गैर तकनीकी पद शामिल है। इच्छुक आवेदक पोर्टल में अपना पंजीयन करा सकते है। पोर्टल में कंपनियों एवं रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है। इच्छुक युवा अपने शैक्षणिक योग्यता, रोजगार पंजीयन, फेटो इत्यादि दस्तावेज के साथ 31 जनवरी को मेले में शमिल हो सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय, आईटीआई कोनी में संपर्क कर सकते है।

जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता अब 10 फरवरी को

बिलासपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा जिला स्तरीय महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन 10 फरवरी 2026 को सवेरे 9 बजे से किया जा रहा है। एथलेटिक्स (100 मीटर, 400 मीटर दौड़ एवं तवा फेंक), खो-खो, हॉकी, व्हॉलीबॉल, कुश्ती, वेटलिफ्टिंग एवं रस्साकसी का आयोजन स्व. बी.आर. यादव राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र, बहतराई में एवं बास्केटबॉल का आयोजन शासकीय विज्ञान स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तथा बैडमिंटन एवं फुटबॉल का आयोजन जिला खेल परिसर सरकण्डा में किया जाएगा। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में जिले के 4 विकासखण्ड के इन 10 खेलों के सभी प्रथम आए बालिका एवं महिला प्रतिभागियों को 2 आयुवर्ग में 9 से 18 वर्ष तक एवं 18 से 35 वर्ष तक बालिका एवं महिला खिलाड़ियों को प्रतियोगिता में भाग लेने की पात्रता होगी।

जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक 3 फरवरी को

बिलासपुर। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला निवेश प्रोत्साहन समिति की बैठक 3 फरवरी को शाम 5 बजे से जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में होगी। बैठक में प्रस्तावित नवीन इकाईयों की स्थापना, स्थापित इकाईयों के अनुदान संबंधी प्रकरणों एवं शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं पीएमईजीपी एवं पीएमएफएमई में वित्तीय वर्ष 2025-26 में लक्ष्यों की पूर्ति आदि अन्य बिन्दुओं के संबंध में चर्चा की जाएगी।

स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान 30 से 13 फरवरी तक होगा

बिलासपुर। जिले में राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत 30 जनवरी से 13 फरवरी तक स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान (स्पर्श) का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक ग्राम सभा में 30 जनवरी को अभियान के अंतर्गत जिले को कुष्ठ रोग से मुक्त करने संदेश का वाचन किया जाएगा। यह अभियान स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर चलाया जाएगा। कुष्ठ रोग की बीमारी से प्रभावित लोगों के प्रति भेदभाव उनके लिए रोजगार के अवसरों, शिक्षा, शादी की संभावनाओं और पारिवारिक जीवन पर बुरा असर डालता है। ये चुनौतियां लोगों में जागरूकता की कमी और बीमारी के फैलने, इलाज और ठीक होने के बारे में मौजूदा गलतफहमियों के कारण बनी हुई है। इन चिंताओं को दूर करने के लिए देश भर में स्पर्श कुष्ठ रोग जागरूकता अभियान हर साल मनाया जाता है। 2026 के लिए इस अभियान की थीम भेदभाव खत्म करना, गरिमा सुनिश्चित करना है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने सभी विभागों को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर कुष्ठ जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश है। उन्होंने कुष्ठ जागरूकता वाचन एवं अन्य जन जागरूकता गतिविधियां करने कहा है।

असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण, पुलिस ने शुरू की बाइक पेट्रोलिंग

कोरबा। शहर में बढ़ती मारपीट और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस ने बाइक पेट्रोलिंग शुरू कर दी है। इस अभियान के तहत रविवार देर शाम मानिकपुर चैकी क्षेत्र में पुलिस ने प्री-वेडिंग शूट कर रहे एक दूल्हा-दुल्हन को रोककर पूछताछ की और चैकी ले गई। जानकारी के अनुसार मानिकपुर चैकी अंतर्गत हेलीपैड मैदान में कुछ युवक कार से पहुंचे थे और आग जलाकर प्री-वेडिंग शूट किया जा रहा था। इसी दौरान बाइक पेट्रोलिंग कर रही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और गतिविधि को संदिग्ध मानते हुए सभी को रोक लिया। पूछताछ के बाद पुलिस ने होने वाले दूल्हा-दुल्हन को मानिकपुर चैकी ले जाकर आगे की कार्रवाई की। कोरबा एसपी सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर 25 जनवरी से जिले में बाइक पेट्रोलिंग शुरू की गई है। रविवार को छह बाइक पर सवार पुलिस टीम ने शहर में गश्त की, जिसका नेतृत्व खुद कोरबा सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी कर रहे थे।

एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी ली

एसईसीएल मुख्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

बिलासपुर। एसईसीएल मुख्यालय, बिलासपुर स्थित वसंत विहार ग्राउंड में आज 77वां गणतंत्र दिवस समारोह गरिमा, अनुशासन एवं देशभक्ति के वातावरण में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एवं एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी ली। इस अवसर पर अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक ने परेड कमांडर वरिष्ठ सुरक्षा निरीक्षक श्री डी.पी दिवाकर एवम सुरक्षा निरीक्षक श्री जाकिर हुसैन के नेतृत्व में आयोजित मुख्य परेड का निरीक्षण किया, परेड निरीक्षण के समय मुख्य अतिथि के साथ एसईसीएल सुरक्षा प्रमुख श्री व्ही. दक्षिणामूर्ति उपस्थित रहे। परेड में एसईसीएल सुरक्षा विभाग के दो प्लाटून का नेतृत्व श्री चमरु एवम श्री प्रकाश द्विवेदी ने किया। डीएवी स्कूल से प्लाटून क्रमांक 3 का नेतृत्व लांस कार्पोरल आरुष यादव, प्लाटून क्रमांक 4 सार्जेंट श्रीया सिंह, प्लाटून क्रमांक 5 का नेतृत्व सार्जेंट जिज्ञाशा ठाकुर एवं प्लाटून क्रमांक 6 का नेतृत्व कार्पोरल अभिजित भंडारी ने किया। परेड में बैंड प्लाटून का नेतृत्व सूबेदार मेजर बेनी प्रसाद ने किया। इस अवसर पर एसईसीएल के निदेशक मंडल एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे, जिनमें श्री एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (तकनीकी संचालन), श्री बिरंची दास, निदेशक (मानव संसाधन), श्री डी. सुनील कुमार, निदेशक (वित्त), श्री हिमांशु जैन, मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) तथा श्री रमेश चंद्र महापात्र, निदेशक (तकनीकी योजना/परियोजना) शामिल रहे। एसईसीएल संचालन समिति से श्री नाथूलाल पाण्डेय (एचएमएस), श्री हरिद्वार सिंह (एटक), श्री ए.के. खुल्लर (सीएमओएआई) एवं एसईसीएल सुरक्षा समिति सदस्य ,एसईसीएल कल्याण मंडल सदस्य सिस्टा ओबीसी सदस्य भी समारोह में उपस्थित रहे। इसके साथ सीएमडी श्री हरीश दुहन की माताश्री श्रीमती यशवंती दुहन , श्रद्धा महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन, श्रीमती इशिता दास, श्रीमती विनीता जैन एवं श्रीमती शुभश्री महापात्र,

विभिन्न विभागाध्यक्ष, श्रमिक संघ प्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारीगण, बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं एवं कंपनी के अन्य सम्मानित सदस्य कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। समारोह को संबोधित करते हुए सीएमडी श्री हरीश दुहन ने कहा कि एसईसीएल देश की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है तथा सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। उन्होंने कर्मचारियों के समर्पण, अनुशासन और सामूहिक प्रयासों की सराहना करते हुए राष्ट्र निर्माण में निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। समारोह के दौरान अतिथियों द्वारा एसईसीएल की गृह पत्रिका कोयला रत्न का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसईसीएल के विभिन्न संचालन क्षेत्रों द्वारा विषयगत एवं आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया, जिनमें ऊर्जा सुरक्षा, हरित पहल, नवाचार एवं सामाजिक दायित्वों से जुड़े संदेशों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही डीएवी पब्लिक स्कूल, ड्रीमलैंड स्कूल, केपीएस एवं होली नर्सरी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत देशभक्ति गीतों एवं नृत्य ने समारोह को और अधिक जीवंत बना दिया। इस अवसर पर सीएमडी श्री हरीश दुहन एवं श्रद्धा महिला मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती शशि दुहन के करकमलों द्वारा परेड, कर्तव्य के दौरान वीरता-शौर्य प्रदर्शन, नवाचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान, श्रेष्ठ मातृत्व ,शिक्षा के क्षेत्र तथा सर्वश्रेष्ठ झांकियों के लिए प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। झांकी प्रतियोगिता में भटगांव क्षेत्र को प्रथम पुरस्कार, हसदेव क्षेत्र को द्वितीय पुरस्कार, गेवरा क्षेत्र को तृतीय पुरस्कार जबकि सीडब्ल्यूएस गेवरा क्षेत्र एवं दीपका क्षेत्र को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। इससे पहले गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर एसईसीएल मुख्यालय प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विभागाध्यक्षों, श्रम संघ प्रतिनिधियों तथा अधिकारी-कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्य अतिथि निदेशक (मानव संसाधन) श्री बिरंची दास ने मुख्यालय प्रशासनिक भवन स्थित शहीद स्मारक एवं खनिक प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके उपरांत उन्होंने राष्ट्रीय ध्वज फहराकर सुरक्षा प्रहरियों की टुकड़ी द्वारा आयोजित परेड की सलामी ली।

बिलासपुर-इंदौर और बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस में एलएचबी कोच का प्रावधान

यात्रियों को मिलेगी बेहतर आरामदायक एवं संरक्षित यात्रा सुविधा

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों को आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतरीन प्रयास किया जा रहा है 7 इस तारतम्य में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से चलने/गुजरने वाली सभी गाड़ियों में योजनाबद्ध तरीके से पुराने पारंपरिक कोचों के बदले सुविधाजनक, आरामदायक और ज्यादा सुरक्षित नई तकनीक वाले एलएचबी कोच की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है इसी क्रम में गाड़ी संख्या 18234/18233 बिलासपुर-इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस में बिलासपुर से 30 मार्च 2026 से तथा इंदौर से 31 मार्च 2026 से एलएचबी कोचों के साथ संचालित किया जायेगा। इससे यात्रियों को बेहतर आरामदायक एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव मिलेगी एलएचबी कोचों के समावेश से यात्रियों को जहाँ यात्रा के दौरान बेहतर सुरक्षा एवं आराम का अनुभव होगा, वहीं अतिरिक्त सीटों की संख्या में भी इजाफा होगा। इस प्रकार अब इस गाड़ी में अधिकाधिक संख्या में यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी । रेलवे प्रशासन का यह प्रयास यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं विश्वस्तरीय यात्रा अनुभव प्रदान करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

रेल संरक्षा के सजग प्रहरियों को महाप्रबंधक ने किया सम्मानित

बिलासपुर। रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 28 जनवरी 2026 को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में कार्यरत संरक्षा कोटि के 04 कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट एवं संरक्षा सबंधी सराहनीय कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के द्वारा सम्मानित किया गया । आज की बैठक में सम्मानित होने वाले रेल कर्मचारियों में कृष्ण कुमार गुप्ता जो कि लोको पायलट(गुड्स)/ बिलासपुर , मालगाड़ी में ड्यूटि कर रहे थे, दिनांक 28.12.2025 को कार्य के दौरान गतौरा-जयरामनगर सेक्शन में, डाउन दिशा से आती हुई मालगाड़ी में ब्रेक वेन से 15-16 वें वेगन में हॉट एक्सल देखा। उन्होने इसकी सूचना तुरंत स्टेशन मास्टर एवं ऑन ड्यूटि संबंधित अधिकारियों को दी । उनकी इस सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । महेश कुमार श्रीवास, जो कि भाटपारा में तकनीशियन-1 के पद पर नागपुर मंडल में कार्यरत हैं । कार्यरत है । दिनांक 28.12.2025 को हथबंद -भाटापारा सेक्शन में फूट पेट्रोलिंग के दौरान उन्होने देखा की कि.मी. 779/12 -1 पर एक्स-जंपर जो कि 90त्न कटा हुआ देखा । उन्होने तत्काल इसकी सूचना सर्वसंबंधित को दिया । इस प्रकार, इनकी सजगता एवं सतर्कता से ट्रेन परिचालन में संरक्षा सुनिश्चित हुई । राहुल आनंद राव वाघमारे जो ट्रैक मैंटेनर ग्रेड-द्वद्ध आमगाँव

अपराधियों और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई, 22 वारंटी गिरफ्तार

कोरबा। जिले में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ बनाए रखने के साथ ही अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण व अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने सख्त निर्देश जारी किया है। इसके पालन में एएसपी कोरबा लखन पटले व एएसपी कटघोरा नीतिश ठाकुर के मार्गदर्शन में जिले में सभी अनुभागीय अधिकारियों व थाना-चैकी प्रभारियों द्वारा त्वरित व सख्त कार्रवाई के लिए अभियान चलाया जा रहा है।इसी कड़ी में रविवार को पुलिस ने 26 वारंटियों की गिरफ्तारी की है, जिसमें 4 स्थाई वारंटी शामिल हैं। उक्त सभी वारंटी लंबे समय से फरार चल रहे थे। वहीं अवैध महुआ शराब बनाने, रखने और बेचने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है। ऐसे मामले में 10 प्रकरण बनाया गया है, जिसमें कुल 117.7 लीटर महुआ शराब जब्त करने के साथ ही 10 आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है।शहर में महुआ शराब बेचती महिला गिरफ्तार सिटी कोतवाली अंतर्गत इमलीडुग्गू के धनुवार पारा निवासी महिला गनेशी बाई उरांव (55) बाड़ी में अवैध रूप से महुआ शराब रखकर बेच रही थी। उसके यहां नशेडियों की आवाजाही लगी रहती थी, जिस कारण क्षेत्र के लोग परेशान थे। लोगों की सूचना पर रविवार को सिटी कोतवाली टीआई एमबी पटेल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वहां छापा मारा, जहां 15 लीटर के जरिकेन में 10 लीटर महुआ शराब और बिक्री रकम 110 रुपए जब्त कर आबकारी अधिनियम की कार्रवाई कर कोर्ट में पेश किया। यहां से न्यायिक रिमांड पर उसे जेल भेज दिया है।

सफलता की कहानी किसान हितैषी योजनाओं से खुश हैं किसान,निश्चिंत होकर बेच रहे धान

बिलासपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में खरीफविपणन वर्ष 2025-26 के तहत जिले में धान खरीदी का कार्य सुचारू रूप से जारी है। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई सुगम, पारदर्शी एवं सर्वसुविधायुक्त धान खरीदी व्यवस्था से किसान संतुष्ट हैं। उपार्जन केंद्रों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ रहा है तथा उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो रहा है। धान खरीदी की इस प्रक्रिया के लिए किसानों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।जिले के ग्राम सेंदरी के आदर्श धान खरीदी केंद्र पहुंचे ग्राम रमतला के युवा किसान श्री धरम लाल ने शासन की धान खरीदी व्यवस्था की सराहना की। उन्होंने बताया कि वे लगभग 4 एकड़ भूमि पर खेती करने वाले छोटे किसान हैं और आज अपनी उपज का 17 क्विंटल धान बेचने पहुंचे हैं। उन्होंने बताया कि संपूर्ण प्रक्रिया प्रत्येक स्तर पर सरल, सुव्यवस्थित और बिना किसी समस्या के पूरी हुई। किसान श्री धरम लाल ने बताया कि समिति से टोकन प्राप्त करने की प्रक्रिया भी बहुत आसान थी और उन्हें टोकन भी आसानी से मिल गया और धान बेचने के बाद भुगतान भी शीघ्रता से हो रहा है। उन्होंने बताया कि किसानों के लिए ऐसी व्यवस्था की गई है, जिससे उन्हें भटकना नहीं पड़ता और सभी कार्य उपार्जन केंद्र पर ही सहजता से संपन्न हो जाती हैं। इस केंद्र में किसानों की सुविधा के सभी इंतजाम हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा प्रदान किया जा रहा सर्वाधिक समर्थन मूल्य किसानों के लिए आर्थिक संबल बना है, जिससे उन्हें यह भरोसा मिल है कि सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि पहले धान विक्रय को लेकर मन में असमंजस और चिंता रहती थी, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में यह डर पूरी तरह खत्म हो गया है। अब किसान समय पर धान विक्रय कर निश्चिंत होकर अपने घर लौट रहे हैं। इस सशक्त और भरोसेमंद व्यवस्था का श्रेय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व को जाता है, जिनकी पहल से किसानों को सुलभ, पारदर्शी और मजबूत धान खरीदी प्रणाली मिली है जिससे वे आसानी से अपनी उपज बेच रहे हैं और उसका मूल्य भी शीघ्रता से प्राप्त कर रहे हैं।

तुमसर में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम!

तीसरी लाइन परियोजना एवं यार्ड रिमॉडलिंग से परिचालन क्षमता और समयबद्धता में होगा उल्लेखनीय सुधार

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत तुमसर स्टेशन पर रेलवे परिचालन को अधिक सुचारु, सुरक्षित एवं दक्ष बनाने की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है । राजनांदगांव कलमना तीसरी रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत तुमसर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य रेल नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है ।

राजनांदगांव-कलमना तीसरी रेल लाइन परियोजना- 228 किलोमीटर लंबी राजनांदगांव-कलमना तीसरी रेल लाइन परियोजना को वर्ष 2015-16 में स्वीकृति प्रदान की गई थी । ?3544 करोड़ की लागत से विकसित की जा रही इस परियोजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 तक कुल 217 किलोमीटर तीसरी रेल लाइन का कमीशनिंग कार्य पूर्ण किया जा चुका है । परियोजना के पूर्ण होने से इस व्यस्त रेल खंड पर ट्रेनों की संचालन क्षमता, समयबद्धता एवं माल यातायात में उल्लेखनीय सुधार होगा ।

तुमसर यार्ड रिमॉडलिंग- तुमसर स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के अंतर्गत प्री-नॉन इंटरलॉकिंग एवं नॉन इंटरलॉकिंग गतिविधियाँ चरणबद्ध रूप से संपादित की जा रही है, जिसमें 24 जनवरी 2026 से 26 जनवरी 2026 तक 3 दिनों का प्री-टू-प्री नॉन इंटरलॉकिंग कार्य, 27 जनवरी 2026 से 30 जनवरी 2026 तक 4 दिनों का प्री-नॉन इंटरलॉकिंग तथा 31 जनवरी 2026 को 19 घंटे 30 मिनट का नॉन इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा । रिमॉडलिंग के पश्चात तुमसर यार्ड में कुल 10 रेल लाइनें एवं 192 रूट उपलब्ध होंगे । यह स्टेशन दुर्ग, नागपुर एवं तिरोड़ी तीनों दिशाओं के लिए एक महत्वपूर्ण जंक्शन के रूप में कार्य करेगा । यार्ड में अत्याधुनिक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग (ईआई) प्रणाली लागू की जा रही है, जिससे परिचालन की विश्वसनीयता एवं संरक्षा स्तर में वृद्धि होगी ।

संपादित किए जाने वाले प्रमुख कार्य- इस कार्य के अंतर्गत निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्य संपादित किए जा रहे हैं, जिसमें 5 पॉइंट एंड क्रासिंग का स्थानांतरण एवं 4 नए पॉइंट्स की स्थापना, लगभग 600 मीटर ट्रैक का स्लीविंग कार्य, मौजूदा बे लाइन एवं स्टेबलिंग लाइन का 80 मीटर तक विस्तार, आरई साइडिंग एवं स्टोर साइडिंग का 200 मीटर विस्तार, शंटिंग नेक का 405 मीटर तक विस्तार, 4 पोर्टल एवं 15 ओएचई मास्ट से संबंधित अवरोधों को हटाया गया, 5 नए पोर्टल एवं 60 ओएचई मास्ट की स्थापना, 2.5 किलोमीटर ओएचई प्रणाली में संशोधन, टीएमएस साइडिंग एवं शंटिंग नेक के लिए नई ओएचई व्यवस्था एवं सिग्नल एवं दूरसंचार कार्यों के अंतर्गत 14 अवरोधों को हटाकर मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली में संशोधन, जिससे टुमसर यार्ड में तीसरी लाइन को थ्रू लाइन के रूप में विकसित किया जा सके । महत्वपूर्ण कार्य में कुल 325 श्रमिक, 20 पर्यवेक्षक, 15 इंजीनियर तथा 12 वरिष्ठ अधिकारी तैनात हैं । कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए 4 टी-28 मशीनें, 1 यूनीमैट, 3 जेसीबी, 4 हाइड्रा, 4 हाइवा एवं 3 ट्रैक्टर सहित आधुनिक मशीनरी का उपयोग किया जा रहा है ।

प्रमुख लाभ- वर्तमान में तुमसर यार्ड में तीसरी लाइन थ्रू नहीं होने के कारण नागपुर-दुर्ग खंड पर ट्रेनों के सुचारु परिचालन में बाधा होती है । यार्ड रिमॉडलिंग के पश्चात तीसरी लाइन को थ्रू किए जाने से यह समाप्त होगी । नागपुर दुर्ग सेक्शन में ट्रेनों की गतिशीलता एवं समयबद्धता में उल्लेखनीय सुधार होगा । तुमसर-तिरोड़ी मेमू रेक को समायोजित करने हेतु स्टेबलिंग लाइन एवं बे लाइन की लंबाई बढ़ाई जाएगी । आरई साइडिंग एवं स्टोर साइडिंग के विस्तार से इन्हें पूर्ण रैक माल गोदाम के रूप में विकसित किया जाएगा । नागपुर छोर पर शंटिंग नेक के विस्तार से प्रस्तावित माल गोदाम में एक बार में पूर्ण रैक की शंटिंग संभव हो सकेगी । यह परियोजना तुमसर स्टेशन को एक सुदृढ़, आधुनिक एवं अधिक सक्षम रेलवे केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है । इसके पूर्ण होने से न केवल रेल परिचालन अधिक सुचारु होगा, बल्कि यात्रियों, व्यापार एवं माल यातायात को भी व्यापक लाभ प्राप्त होगा ।

नगर सैनिक ने कलेक्टर परिसर में जहर खाकर की आत्महत्या की कोशिश

कोरबा। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले से एक बेहद गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। नगर सेना (होमगार्ड) के एक जवान ने कथित बर्खास्तगी और मानसिक प्रताड़ना से आहत होकर आत्महत्या का प्रयास किया। जवान ने सोमवार को कलेक्टर परिसर में जहर सेवन कर लिया, जिससे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार पीड़ित नगर सैनिक की पहचान संतोष पटेल के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह कुछ समय से नौकरी से बर्खास्त किए जाने को लेकर मानसिक तनाव में था। इसी तनाव के चलते वह कलेक्टर परिसर पहुंचा और वहां जहर का सेवन कर लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने जब उसकी हालत बिगड़ती देखी तो तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई। आनन-फानन में उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और डॉक्टरों की टीम लगातार उपचार में जुटी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। कलेक्टर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। वहीं मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भी पुलिस बल तैनात किया गया है। डॉक्टरों के अनुसार संतोष पटेल की स्थिति नाजुक है।

जया एकादशी पर भगवान विष्णु की विशेष पूजा

माघ महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को जया एकादशी कहते हैं। इस तिथि पर भगवान विष्णु की विशेष पूजा की परंपरा है। ऐसा कहा जाता है कि इस एकादशी पर पानी में तिल मिलाकर स्नान करना चाहिए। सनातन धर्म में एकादशी व्रत को भगवान विष्णु की विशेष कृपा पाने का श्रेष्ठ माध्यम माना गया है। इन्हीं एकादशियों में जया एकादशी का खास महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन श्रद्धा और नियमपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सुख-शांति का वास होता है। साल 2026 में जया एकादशी पर कई दुर्लभ संयोग, इंद्र, रवि, भद्रावास और शिववास योग बन रहे हैं। पंचांग के अनुसार, साल 2026 में जया एकादशी का व्रत 29 जनवरी, गुरुवार को रखा जाएगा। यह एकादशी माघ मास के शुक्ल पक्ष में आती है और इसे विजय, सफलता और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक माना जाता है।

पूजा के श्रेष्ठ मुहूर्त

सुबह का मुहूर्त: सुबह 7:11 बजे से सुबह 8:32 बजे तक रहेगा.
दोपहर का मुहूर्त: सुबह 11:14 बजे से दोपहर 1:55 बजे तक रहेगा।

पूजा के लिए आवश्यक सामग्री

भगवान विष्णु की मूर्ति या तस्वीर. पीले फूल, पीले वस्त्र और पीला चंदन. तुलसी दल (सबसे महत्वपूर्ण). धूप, दीप (घी का दीपक), और अगरबत्ती. फल, पंचामृत (दूध, दही, घी, शहद और शक्कर). अक्षत (बिना टूटे हुए चावल). व्रत कथा की पुस्तक।

जया एकादशी पूजा विधि

एकादशी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। मंदिर के सामने बैठकर हाथ में जल लेकर व्रत का संकल्प लें।एक चौकी पर पीला कपड़ा बिछाकर भगवान विष्णु की प्रतिमा स्थापित करें। उन्हें गंगाजल से स्नान कराएं। भगवान को पीला चंदन लगाएं, पीले फूल और वस्त्र अर्पित करें। भगवान को फल और मिठाई का भोग लगाएं। याद रखें, विष्णु जी के भोग में तुलसी का पत्ता जरूर रखें, इसके बिना पूजा अधूरी मानी जाती है। घी का दीपक जलाकर जया एकादशी व्रत कथा पढ़ें या सुनें। आखिर में ओम जय जगदीश हरे की आरती करें। शाम को दीपदान करें और अगले दिन यानी द्वादशी को किसी ब्राह्मण या जरूरतमंद को भोजन कराकर व्रत का पारण करें।

इस दिशा में हो ज्यादा खिड़कियां तो प्रसन्न होती हैं मां लक्ष्मी...

क्या आप जानते हैं कि घर की खिड़कियां भी पैसों से जुड़ी दिक्कत खत्म कर देती हैं? सुनकर थोड़ा अजीब लगेगा लेकिन हम यहां बात कर रहे हैं वास्तु शास्त्र की और इस शास्त्र में घर की खिड़कियों से जुड़े कुछ नियम-कायदे बताए गए हैं जोकि सीधे हमारी फाइनेंस से जुड़ी है। शास्त्र के अनुसार अगर घर में खिड़कियां सही दिशा और दशा में हो तो मा लक्ष्मी बहुत प्रसन्न होती हैं। तो आज जानते हैं कि खिड़कियों का किस दिशा में होना शुभ माना जाता है? नीचे विस्तार से जानें खिड़कियों से जुड़े वास्तु शास्त्र के कुछ नियम...

इस दिशा में हो ज्यादा खिड़कियां

वैसे तो कमरे के हिसाब से ही खिड़कियां होंगी लेकिन वास्तुशास्त्र के हिसाब से अगर उत्तर दिशा में ज्यादा खिड़कियां बनवाई जाई तो शुभ होता है। दरअसल इस दिशा में अगर खिड़कियां होती हैं तो मां लक्ष्मी के साथ-साथ भगवान कुबेर की की असीम कृपा उस घर पर बरसती है। अगर ऐसा होता है तो परिवार में धन और अन्न की कोई भी कमी नहीं रहती है। ऐसे में घर बनवाते वक्त इस चीज का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए।

रखें इन बातों का ध्यान

शास्त्र के हिसाब से खिड़कियां हमेशा सम संख्या में ही होनी चाहिए। आपके घर में 2, 4, 6, 8, 10 और 12 इस संख्या में खिड़कियां होगी तो पॉजिटिविटी हमेशा बनी रहेगी। कई लोग बाहर की ओर खुलने वाली खिड़कियां बनवाते हैं जोकि सही नहीं है। घर में जितनी भी खिड़कियां हैं, वो हमेशा अंदर की ओर ही खुलनी चाहिए। साथ ही खिड़कियां ऐसी हो जिसमें दो पल्ले हो। एक पल्ले वाली खिड़की कभी नहीं बनवानी चाहिए। वास्तुशास्त्र के हिसाब से सुबह या दिन में इन खिड़कियों को कुछ देर के लिए खोल देना चाहिए। इससे घर का वास्तु सही होता है। वहीं शाम में इसे नहीं खोलना चाहिए नहीं तो घर में नेगेटिविटी बढ़ने के चांस होते हैं। साथ ही ऐसा कभी नहीं होना चाहिए कि खिड़कियों पर धूल जमा हो। ऐसे में नियमित रूप से इसकी सफाई जरूरी है।

स्किन को अंदर से निखारने का सही समय

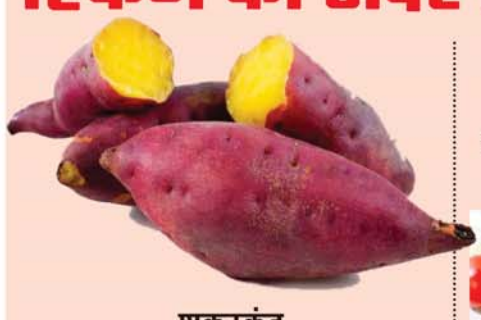

शकरकंद

विटामिन A से भरपूर शकरकंद को उबालकर या भूनकर खाना चाहिए। इसे छिलके और किसी फैट सोर्स (जैसे घी या तेल) के साथ खाएं। न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि स्किन को रिन्यू करने और ड्राईनेस कम करने के लिए इसे हफ्ते में 3 से 4 बार अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए।

विटामिन C से भरपूर फल

कोलेजन बढ़ाने और स्किन को रिपेयर करने के लिए विटामिन C बहुत जरूरी है। इसके लिए ताजे खट्टे फलों को सुबह के समय या दिन के बीच में खाएं।

क्या आप जानते हैं कि साल भर दमकती त्वचा पाने का असली राज सर्दियों के खान-पान में छिपा है? अक्सर हम सर्दियों को रुखी और बेजान त्वचा का मौसम मानते हैं, लेकिन हकीकत कुछ और है। यह मौसम आपकी त्वचा को सिर्फ ऊपर से नहीं, बल्कि अंदर से पोषण देने का सबसे बेहतरीन समय है। अगर आप इन दिनों सही डाइट लेते हैं, तो आपकी त्वचा पूरे साल हेल्दी और ग्लोइंग बनी रहेगी। आइए, जानते हैं।

अनार

त्वचा की रंगत निखारने और स्किन टोन को एक समान बनाने के लिए अनार बेहतरीन है। इसके ताजे दानों को सुबह या दोपहर के समय खाएं।

काली गाजर

काली गाजर की कांजी बनाकर पिएं या इसे हल्का पकाकर खाएं। यह रंगत को निखारती है और साथ ही झुर्रियों व काले धब्बों को कम करती है।

कच्ची हल्दी

क्लियर स्किन, कम काले धब्बे और मुहांसों से छुटकारे के लिए कच्ची हल्दी का एक छोटा टुकड़ा लें। इसे गर्म पानी और एक चुटकी काली मिर्च के साथ सेवन करें।

क्रूसिफेरस सब्जियां

फूलगोभी और ब्रोकली जैसी सब्जियों को हल्का स्टीम करके या सॉते करके खाएं। ये सब्जियां धूप से होने वाले नुकसान से बचाती हैं, इंफ्लेमेशन को कंट्रोल करती हैं और एक्ने प्रोन स्किन के लिए बहुत फायदेमंद हैं।

सर्दी में बढ़ जाता है निमोनिया और फ्लू का अटैक

सर्दियों का मौसम सुहाना तो होता है, लेकिन इसमें खांसी, जुकाम, फ्लू और निमोनिया का जोखिम काफी बढ़ जाता है। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ रही है, इनके मामले भी बढ़ रहे हैं और ठंडे मौसम में वायरस का प्रसार भी काफी तेजी से होता है। हालांकि, घबराने की बात नहीं है। कुछ बिल्कुल आसान बातों का ध्यान रखकर आप अपनी और अपने परिवार की इन मौसमी परेशानियों से रक्षा कर सकते हैं। आइए इन मौसमी बीमारियों से बचने के कुछ टिप्स जानते हैं।

लक्षणों को पहचानना है जरूरी

फ्लू और अन्य गंभीर रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन के बीच अंतर करना मुश्किल हो सकता है, क्योंकि इनके लक्षण अक्सर एक जैसे होते हैं। बुखार, खांसी, थकान, गले में खराश, बदन दर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसे लक्षण फ्लू या निमोनिया का संकेत हो सकते हैं।, "सर्दियों की बीमारियों के बढ़ने के साथ, ठीक होने और कॉम्प्लिकेशन्स से बचने के लिए सही डायग्नोसिस है। अगर आप अस्वस्थ महसूस कर रहे हैं, तो इसे नजरअंदाज न करें, जल्द से जल्द डॉक्टर से परामर्श लें।"

समय पर जांच है जरूरी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कोई भी बीमारी के कारण पीछे नहीं छूटना चाहता। ऐसे में 'रैपिड टेस्टिंग' एक गेम-चेंजर साबित होती है। इसलिए अगर आपको फ्लू के कोई भी लक्षण महसूस हों, तो आप डॉक्टर से मिलकर टेस्ट करवा सकते हैं।

इस सीजन में खुद को सुरक्षित रखने के लिए क्या करें?
सर्दियों के इन्फेक्शन से बचने और जल्द स्वस्थ होने के लिए इन

बातों का ध्यान रखें-

जांच कराएं- बीमार होने पर सबसे पहला कदम यह जानना है कि समस्या क्या है। अगर आपको इन्फेक्शन के लक्षण दिखें, तो डॉक्टर से बात करें और रैपिड टेस्ट पर विचार करें। इससे सही इलाज करने में मदद मिलती है।

लक्षणों पर नजर रखें- अपने लक्षणों की तीव्रता पर नजर रखें। अगर बुखार बढ़ रहा है या अन्य लक्षण बदतर हो रहे हैं, तो तुरंत

डॉक्टर से संपर्क करें।

सही दवा लें- शुरुआती निदान के बाद डॉक्टर जो दवा बताएं, उन्हें तुरंत लेना शुरू करें। दवाओं का पूरा कोर्स और उनके निर्देशों का कड़ाई से पालन करें, ताकि इन्फेक्शन जड़ से खत्म हो सके। ध्यान रखें और खुद से एंटीबायोटिक्स न लें।

आराम और हाइड्रेशन- शरीर को भरपूर आराम और नींद दें। खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए पानी, शोरबा, नारियल पानी या ताजे जूस पिएं और हेल्दी खाना खाएं।

आपके घर में कौन से पौधे होना जरूरी

भारतीय खाने में मसालों के साथ ही कई तरह की हर्ब्स का भी यूज किया जाता है। अगर ये हर्ब्स बिल्कुल फ्रेश हो तो खाने के स्वाद के साथ ही अरोमा भी कमाल होता है, क्योंकि ये हर्ब सुगंध से भरपूर होती हैं। घर पर उगी चीजें ऑर्गेनिक रहती हैं। इसलिए हेल्थ को भी ज्यादा फायदा होता है। ऐसे में जान लें कि आपके घर में कौन से पौधे होना जरूरी है ताकि आपको लास्ट मिनट परेशानी न हो।अपने घर में आपको मैक्सिकन मिंट का पौधा जरूर लगाना चाहिए। बहुत सारे लोग इसे अजवाइन का पौधा समझकर लगाते हैं, क्योंकि इसकी पत्तियों में बिल्कुल अजवाइन जैसी खुशबू आती है। आप इस पौधे की पत्तियां पराठे से लेकर चटनी, पकोड़े। रोटी, तम्बुली (साउथ इंडियन डिश), सूप, मसाला छाछ, रायता कई डिशेज में इस्तेमाल कर सकते हैं जो खाने के अरोमा को कई गुना बढ़ा देती हैं।

तेज पत्ता भारतीय रसोई का अहम हिस्सा है। पुलाव, जीरा राइस से लेकर इसे बिरयानी, मटर पनीर, राजमा, छोले तक कई तरह की डिशेज में यूज किया जाता है, क्योंकि ये खाने को एक बढ़िया खुशबू देने का काम करता है। इसी के साथ हेल्थ के लिए भी काफी फायदेमंद है। आप तेज पत्ता का पौधा घर में लगा लें और जरूरत पड़ने पर फ्रेश पत्तियां भी तोड़कर खाने में यूज की जा सकती हैं।

तेज पत्ता की तरह ही अब इंडियन डिशेज में करी पत्ता का यूज काफी ज्यादा होने लगा है। ये आपकी त्वचा और बालों के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है, इसलिए लोग अलग-अलग तरह से इसका यूज करते हैं। इसी वजह से अब तो मार्केट में भी लोग करी पत्ता बेचने लगे हैं। आपके किचन गार्डन या फिर बालकनी में लगे गमलों में एक करी पत्ता का पौधा तो होना ही चाहिए।

पुदीना किसी भी डिश या फिर ड्रिंक को एक फ्रेश टच देने का काम करता है। मोजितो से लेकर छाछ, लेमोनेड, मिंट जिंग मॉकटेल, कोई भी रिफ्रेशर ड्रिंक हो पुदीना को दो से तीन पत्तियां उसमें वाइब्रेंट टेस्ट एड कर देती हैं। मितली-उल्टी जैसी समस्याओं में भी ये काम आता है, इसलिए इसका पौधा भी अपने घर में जरूर लगाएं। आप अपने किचन गार्डन में धनिया उगा सकते हैं जो भारतीय रसोई में इस्तेमाल होने वाली सबसे बेसिक और सबसे ज्यादा पॉपुलर हर्ब है। हरा धनिया ज्यादातर हर मसालेदार डिश में डाला ही जाता है। अब मार्केट में भी इसकी कई वैरायटी आने लगी हैं, लेकिन देसी धनिया ही भारतीय घरों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है, इसलिए इसे अपने घर में आप खुद उगा सकते हैं।

रिंग अनियन और ग्रीन गार्लिक को भी भारतीय खाने में तड़का की तरह इस्तेमाल किया जाता है और लोग इसे सब्जी की तरह भी खाते हैं। डेली की सब्जी या दाल में तड़का के लिए अगर प्याज और लहसुन की पत्तियों की जरूरत पड़े तो आप फ्रेश अपने गार्डन से तोड़ सकते हैं, इसलिए घर में कुछ कंटेनर में प्याज-लहसुन जरूर ग्रो करना चाहिए।

सर्दियों की ताकतवर हरी सब्जी

ठंड के मौसम में बथुआ खास तौर पर खाया जाता है। इसकी तासीर शरीर को गर्म रखने में मदद करती है। ये सब्जी औषधीय गुणों से भरपूर मानी जाती है और सही तरीके से इस्तेमाल करने पर कई गंभीर समस्याओं से बचाव कर सकती है। बथुआ और वेट लॉस का कनेक्शन बथुआ का सेवन करने से वजन घटाने की प्रक्रिया तेज होती है। सर्दियों में इसे अपनी डाइट का हिस्सा बनाना फायदेमंद माना जाता है। इसके नियमित सेवन से पेट की चर्बी कम होने लगती है और कुछ ही दिनों में फर्क नजर आने लगता है। इसे दिन और रात, दोनों समय अलग-अलग तरीकों से खाया जा सकता है।

कैसे घटाता है वजन

बथुआ में फाइबर और प्रोटीन अच्छी मात्रा में पाया जाता है, जिससे पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इसमें कैलोरी कम होती है, इसलिए शरीर को फैट बर्न करने में ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती। साथ ही इसमें मौजूद आयरन, कैल्शियम और विटामिन बी शरीर को कुपोषण से बचाने में मदद करते हैं।

मोटापे में क्यों जरूर खाएं बथुआ

बथुआ को पोषक तत्वों से भरपूर हरी सब्जी माना जाता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण मोटापे से जुड़ी बीमारियों के खतरे को कम करते हैं। मोटापा दिल की बीमारी, डायबिटीज और कैंसर जैसी समस्याओं की बड़ी वजह बन सकता है, ऐसे में बथुआ सहायक साबित होता है।

बथुआ खाने के सही तरीके

सर्दियों में बथुआ के परांठे, रायता और साग काफी पसंद किए जाते हैं, लेकिन वजन घटाने वालों को परांठे से परहेज करना चाहिए। बथुआ का रायता दिन में बाजरे की रोटी के साथ लिया जा सकता है, जबकि रात के खाने में बथुआ का साग मोटे अनाज की रोटी के साथ फायदेमंद माना जाता है। वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए मोटे अनाज बेहद उपयोगी होते हैं। ये ज्यादातर ग्लूटेन फ्री होते हैं और इनमें भरपूर फाइबर व प्रोटीन होता है। प्रोटीन कमजोरी से बचाता है।

सर्दियों में पेट की चर्बी कम करने में बथुआ है रामबाण

वजन घटाने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए सही खानपान सबसे अहम भूमिका निभाता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक डाइट में फाइबर और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा शामिल करने से वेट लॉस की प्रक्रिया तेज हो सकती है। ऐसे में बथुआ एक बेहतरीन हरी पत्तेदार स जी के रूप में सामने आता है, जिसे सर्दियों में खास तौर पर खाया जाता है। पोषक तत्वों से भरपूर बथुआ शरीर को जरूरी ताकत देने के साथ पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसका नियमित सेवन पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे बार-बार भूख लगने की समस्या कम होती है। यही वजह है कि पेट की चर्बी धीरे-धीरे कम होने लगती है और वजन संतुलित होने लगता है।

ढाबा स्टाइल में छोले

ढाबे पर मिलने वाले छोलों के बारे में सोचकर ही मुंह में पानी आ जाता है। ऐसे में अगर आप भी ढाबे के स्वाद जैसे छोले खाना चाहते हैं, तो बहुत ही आसान रेसिपी की मदद से आप इसे घर पर भी बना सकते हैं। आइए जानें ढाबा स्टाइल छोले बनाने की रेसिपी।

सामग्री : 1 कप काबुली चना, 2 तेज पत्ता, 1 बड़ी इलायची, 1 इंच दालचीनी का टुकड़ा, 1 चम्मच चाय पत्ती, नमक स्वादानुसार, 1/4 छोटी चम्मच बेकिंग सोडा, 5-6 बड़े चम्मच तेल/घी, 1 छोटा चम्मच जीरा, 1 चुटकी हींग, 1 मध्यम आकार के प्याज का पेस्ट, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2-3 हरी मिर्च, 2 मध्यम आकार के टमाटर की प्यूरी, 1/2 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 2 छोटे चम्मच धनिया पाउडर, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 2 बड़े चम्मच छोले मसाला, 1/2 छोटा चम्मच अमचूर पाउडर, 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला, छोटा चम्मच कसूरी मेथी, अदरक का छोटा टुकड़ा, 1-2 हरी मिर्च, 1/2 छोटा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर

विधि : सबसे पहले, रात भर भिगोए हुए काबुली चने को धो लें। अब उन्हें प्रेशर कुकर में पानी, नमक, बेकिंग सोडा, तेज पत्ता, बड़ी इलायची, दालचीनी, और चाय पत्ती की पोटली के साथ डालें। कुकर का ढक्कन लगाकर 5-6 सीटी आने तक पकाएं। इसके बाद एक कड़ाही में तेल या घी गरम करें और उसमें जीरा और हींग डालकर तड़कने दें। अब प्याज का पेस्ट डालकर सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद अदरक-लहसुन का पेस्ट और हरी मिर्च डालकर भूनें। फिर टमाटर की प्यूरी और थोड़ा नमक डालकर तेल छोड़ने तक अच्छी तरह भूनें। इसके बाद उबले हुए छोले को तैयार ग्रेवी में मिला दें। फिर इसमें कसूरी मेथी को मसलकर और गरम मसाला डालकर मिलाएं। दूसरी तरफ एक छोटे तड़का पैन में घी गरम करें। इसमें अदरक के लच्छे और हरी मिर्च डालकर हल्का सा भूनें। गैस बंद करें और तुरंत कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। इस तड़के को गरमागरम छोलों के ऊपर डालें और बारीक कटे हुए धनिया पत्ती से गार्निश करें। ढाबा-स्टाइल, चटपटे और स्वादिष्ट मसालेदार छोले तैयार हैं।

गुरामी के जंगल में हुए अंधे कत्ल को सुलझाने मे पुलिस को मिली सफलता

दल्लीराजहरा। 24 जनवरी को सूचना प्राप्त हुई कि डौंडीलोहारा क्षेत्र के गुरामी के जंगल में एक अज्ञात महिला का शव सड़ी गली हालत में देखी गई है। लाश दिखने की सूचना पर तत्काल पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण व फोरेंसिक टीम, साइबर सेल टीम ,थाना की टीम ,डाग स्क्वाड घटना स्थल हेतु रवाना हुए। मौके सभी दलों के आने उपरांत घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया। विशेषज्ञों के राय उपरांत प्रथम दृष्टया मामला हत्या का प्रतीत होने से थाना डौण्डीलोहारा में मर्ग एवं अपराध क्रमांक 19/2025 धारा 103(1) ,238 बीएनएसएस कायम कर विवेचना में लिया गया । घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस महानिरीक्षक दुर्ग रेंज दुर्ग के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में सायबर सेल व थाना डौण्डीलोहारा से विशेष टीम गठित किया गया। जिसे अलग अलग क्षेत्रों मे कार्य करने हेतू दिशा निर्देश कर टीम को रवाना किया गया। विवेचना के दौरान टीम ने अज्ञात महिला की पहचान हेतु सभी थाना क्षेत्र के साइबर प्रहरी ग्रुप में मृतिका का फोटो वायरल किया गया । थाना क्षेत्र के गुम इंसान को तस्दीक करने पर थाना बालोद में गुम इंसान क्रमांक 08/2026 में गुमशुदा महिला कमला राजपूत का होना पाया गया । तब उसके परिजन को बुलाकर पहचान कराने पर चिन्हित हो जाने से टीम एक्टीव हो कर मृत महिला के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी हासिल कर सूचनाओं के माध्यम से संदेही को चिन्हाकिंत किया गया। संदेही चिन्हाकिंत होने पर साइबर सेल टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य एवं सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से संदेही के उपर पूर्ण शंका होने पर संदेही का पकड़कर उससे बारिकी से पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार किया। संदेही आरोपी नेमींचद साहू पिता जंगलू राम साहू उम्र 30 साल पता पाररास बालोद ने अपने कथन में बताया कि वह मृतिका से 05-07 साल से प्यार करता था। मृतिका परित्यक्ता थी आरोपी मृतिका को शादी कर अपने घर रहने के लिए बार बार बोलता था। घटना दिनांक 16 जनवरी को दोनो मुलाकात कर घूमने के लिए अपनी मोटरसायकल से ग्राम गुरामी के जंगल थाना डौण्डीलोहारा क्षेत्र गये । जहां पर शाम को आपसी संबंध बनायें उसके बाद मृतिका ने घर जाने बोलने पर आरोपी नेमीचंद ने उसे घर जाने से मना करते हुए मृतिका को तुम फोन से कई लोगो से बात करती हो कहकर वाद विवाद करने लगा । वाद विवाद से गुस्सा होकर आरोपी ने मृतिका को मारपीट कर गला दबाया। मृतिका बेहोश होने पर उसे घसीटते हुए अंदर जंगल की ओर ले गया । मृतिका के सिर व चेहरा पर बड़े बड़े बोल्डर (पत्थर) से मार कर उसकी हत्या कर दिया एवं शव को छिपाने के लिए जंगल में ही शव के उपर छोटे बड़े पत्थर डाल कर ढ़ंक दिया फिर आरोपी अपने घर वापस आ गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा जा रहा है। उक्त अंधे कत्ल की गुत्थी सलझाने व आरोपी की गिरफ्तारी में थाना डौण्डीलोहारा नगर निरीक्षक मुकेश सिंह ,सायबर सेल प्रभारी स0उ0निरीक्षक धरम भुआर्य , सहित सहित अन्य पुलिस कर्मियों का योगदान रहा।

रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को होगा हेलमेट वितरण, हेलमेट संगवारी एवं प्रेस क्लब डोंगरगांव का आयोजन

डोंगरगांव नगर। सड़क सुरक्षा माह अंतर्गत नगर के पुराना सरकारी अस्पताल परिसर में 29 जनवरी को वृहद रक्तदान शिविर, लर्निंग लाइसेंस, निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन सुबह 10 बजे से किया गया है। हेलमेट संगवारी परिवार द्वारा प्रेस क्लब डोंगरगांव तथा नंदेश्वर गौशाला परिवार के सहयोग से आयोजित शिविर में दिव्यांगजनों तथा वृद्धजनों को निःशुल्क आवश्यक सहायक उपकरण वितरण हेतु भी पंजीयन किया जायेगा। हेलमेट संगवारी परिवार तथा कार्यक्रम संयोजक धर्मेन्द्र साहू ने बताया कि नगर में जनजागरूकता के लिए आयोजित शिविर में एसपी अंकिता शर्मा, एसडीएम श्रीकांत कोराम, बीएमओ रागिनी चंद्रा व रक्तवीर फनेन्द्र जैन सहित अनेक बुद्धिजीवी विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि रक्तदान करने वाले समस्त युवक व युवतियों को निःशुल्क हेलमेट का वितरण किया जायेगा। नेत्र जांच के तहत जरूरतमंदो को निःशुल्क चश्मा का वितरण किया जायेगा।

कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं ने कलेक्ट्रेट परिसर में किया ध्वजारोहण

बेमेतरा। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण से पूर्व उन्होंने महात्मा गांधी जी एवं छत्तीसगढ़ महतारी की विधिवत पूजा-अर्चना कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का सामूहिक गायन किया गया। इसके उपरांत वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रगीत वंदे मातरम का भी भावपूर्ण गायन किया गया, जिससे कार्यक्रम में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का वातावरण सृजित हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई ने कलेक्ट्रेट में उपस्थित समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं जिलेवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिक कर्तव्यों का स्मरण कराते हुए सभी से अपने दायित्वों का ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर प्रकाश भारद्वाज, अपर कलेक्टर गुड्डू लाल जगत, डिप्टी कलेक्टर पिंकी मनहर, डिप्टी कलेक्टर प्रीतम चौहान सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बटार स्कूल में शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष राजेश दुबे ने किया ध्वजारोहण

बेमेतरा। 77 वां गणतंत्र दिवस शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय ,पूर्व माध्यमिक शाला , एवं प्राथमिक शाला बटार में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ध्वजारोहण शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष राजेश दत्त दुबे के द्वारा किया गया बच्चों की सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सोमेश दत्त दुबे अध्यक्ष सेवा सहकारी समिति कुरदा अध्यक्षता कर रहे सरपंच ग्राम पंचायत बटार भुवनेश्वर चंद्राकर विशिष्ट अतिथि चंद्रपाल चंद्राकर, भूपेंद्र सिंह राजपूत, गणेश राम ध्रुव उपस्थित रहे । बच्चों द्वारा मनमोहक देशभक्ति सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया जिसमें अतिथियों द्वारा समस्त बच्चों को प्रोत्साहन राशि एवं पुरस्कार वितरण किया गया साथ ही साथ नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत उल्लास मेला का आयोजन किया गया जिसमें नवसाक्षर एवं असाक्षर को मेला के माध्यम से संख्या ज्ञान अक्षर पहचान एवं पढ़ने की गतिविधि कराया गया उपस्थित अतिथियों का शाला परिवार की ओर से प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम में गांव के गणमान्य नागरिक बच्चे एवं शिक्षक शिक्षिका उपस्थित रहा कार्यक्रम का संचालन सोनलाल चंद्राकर संकुल शैक्षिक समन्वयक बटार के द्वारा किया गया प्रसाद वितरण के पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया।

जिला मुख्यालय बालोद में भव्य एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

कैबिनेट मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने ध्वजारोहण कर परेड की ली सलामी

बालोद। जिला मुख्यालय बालोद में सोमवार को राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस समारोह हर्ष, उल्लास तथा भव्य एवं गरिमामय ढंग से मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि एवं प्रदेश के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने सुबह 9 बजे स्व.सरयू प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर कलेटक्टर दिव्या उमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल के साथ परेड की सलामी ली। इस अवसर पर उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का गणतंत्र दिवस संदेश का वाचन भी किया। इस दौरान मुख्य अतिथि गुरू खुशवंत साहेब ने शांति के प्रतीक श्वेत कपोत और हर्षोल्लास के प्रतीक रंगबिरंगे गुब्बारे भी आसमान में छोड़े। समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने बालोद जिले को पहला बाल विवाह मुक्त जिला बनने का सौभाग्य प्राप्त होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को बाल विवाह के रोकथाम के पुनीत कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक संगीता सिन्हा, जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, नगर पालिका परिषद बालोद के अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, पूर्व विधायक वीरेन्द्र साहू एवं प्रीतम साहू, भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष पवन साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे।

शहीद परिजनों को शॉल श्रीफल प्रदान कर किया सम्मानित

समारोह में स्कूली विद्यार्थियों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्य मों की प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा परेड में शामिल सशस्त्र बल, पुलिस बल के जवानों तथा स्कूली विद्यार्थियों के द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट एवं हर्षफायर, राष्ट्रपति की जय का उद्घोष किया गया। इस अवसर पर मंत्री गुरू खुशवंत साहेब ने जिले के शहीद जवानों के परिजनों को शॉल और श्रीफल प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने जिला स्तर पर कर्त्तव्यों का श्रेष्ठ निर्वहन करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में सांस्कृतिक कार्य म, परेड और झांकी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को भी सम्मानित किया गया। इसके अंतर्गत परेड सीनियर में 21वीं वाहिनी छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल करकाभाट को प्रथम स्थान एवं जिला पुलिस बल पुरूष को द्वितीय स्थान तथा जिला पुलिस बल महिला को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस मौके पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्यामलाल नवर , डीएफओ अभिषेक अग्रवाल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संजय सोनी, सीईओ जिला पंचायत सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर श्री चंद्रकांत कौशिक, अजय किशोर लकरा एवं नूतन कंवर, एडीशनल एसपी मोनिका ठाकुर, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव भारती कुलदीप, संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष, डिप्टी कलेक्टर प्राची ठाकुर एवं आशीष पेंद्रो विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कृषि विभाग की झांकी रही प्रथम स्थान

इसी तरह परेड जुनियर के अंतर्गत एनसीसी स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिन्दी माध्यम विद्यालय बालोद को प्रथम स्थान, एनसीसी ब्लेज एकेडमी उमरादाह को द्वितीय स्थान एवं गाइड शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालोद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। समारोह में अतिथियों के द्वारा उत्कृष्ट परेड का संचालन करने के लिए परेड कमांडर रक्षित निरीक्षक रेवती वर्मा एवं परेड टू आईसी एसआई मनीष शेंडे को भी सम्मानित किया गया। इसी तरह शासन की योजनाओं को प्रदर्शित करने हेतु निकाली गई झाँकी के अंतर्गत कृषि विभाग को प्रथम स्थान, महिला एवं बाल विकास विभाग को द्वितीय स्थान एवं आदिवासी विभाग को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक कार्य मों की श्रृखंला में ब्लेज एकडेमी उमरादाह को प्रथम स्थान, गुरूकुल विद्यापीठ बालोद को द्वितीय स्थान एवं संस्कार शाला बालोद को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

उत्कृष्ट निर्वाचन कार्य के लिए गुंडरदेही एसडीएम प्रतिमा हुई सम्मानित

दुर्ग संभाग से एकमात्र बालोद जिला का सम्मान जिले के किये गौरव का विषय : कलेक्टर

बालोद। छत्तीसगढ़ राज्य में 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी को सुबह 11 बजे कृषि महाविद्यालय, रायपुर स्थित विवेकानंद सभागार में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में निर्वाचन कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले अधिकारी-कर्मचारियों तथा मतदाताओं को विशेष पहल कर मतदान के लिए प्रेरित करने वाले बालोद जिले सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों को सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय समारोह के अवसर पर वर्ष 2025 में निर्वाचन कार्यों के संपादन में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु बालोद को सर्वश्रेष्ठ निर्वाचन जिला पुरस्कार- 2025 से सम्मानित किया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति इंदर सिंह उबोवेजा, प्रमुख लोकायुक्त, छत्तीसगढ़ लोक आयोग रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. गिरीश चंदेल, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय ने की। इस दौरान कार्यक्रम में वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ जिला निर्वाचन पुरस्कार दुर्ग सम्भाग से एकमात्र बालोद जिले के एसडीएम प्रतिमा ठाकरे को देकर सम्मानित किया गया। 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य में आयोजित स्टेट अवार्ड्स 2026 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (रा) गुंडरदेही प्रतिभा ठाकरे को दुर्ग संभाग अंतर्गत उत्कृष्ट निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के रूप में राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया है। प्रतिमा ठाकरे को यह सम्मान गुंडरदेही विधानसभा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदान किया गया हैं। बता दे की प्रतिमा ठाकरे पूरे दुर्ग सम्भाग से एकमात्र निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी रही है, जिन्हें यह सम्मान दिया गया हैं। इस उपलब्धि पर कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी दिव्या उमेश मिश्रा ने बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि, यह सम्मान जिले के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि भविष्य में भी इसी निष्ठा और प्रतिबद्धता के साथ निर्वाचन सहित अन्य कार्यों को सुदृढ़ करेंगे।

पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने विभिन्न स्थानों पर ध्वजा रोहण किया

बेमेतरा। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर बेमेतरा नगर के विभिन्न स्थानों पर पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा के द्वारा निज कार्यालय, गांधी चौक राम मंदिर, बाजार पारा, कांग्रेस भवन एवं राजीव भवन में ध्वजा रोहण किया गया तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के संदेश को पढ़ा गया पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बताया कि प्रत्येक भारतीय नागरिक के लिए गणतंत्र दिवस बेहद महत्वपूर्ण दिन है। यह अवकाश, भारत के राष्ट्रीय उत्सव में से एक है हर किसी ने देश भक्ति की भावना जगाता है या उन अवसरों में से एक है जो युवा पीढ़ी को हमारी अद्भुत भारती विरासत और संस्कृति से परिचित कराने में सहायता करता है यह वह दिन है जिस दिन हम उन महान नेताओं और स्वतंत्रता योद्धाओं का सम्मान करते हैं जिन्होंने देश की रक्षा में अपना जीवन बलिदान कर दिया गणतंत्र दिवस हमें एकजुट का मूल्य भी सिखाता है यह दिन हमें बताता है कि एकजुट होकर देश के लोगों ने ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ संघर्ष में भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का समर्थन किया जिससे शक्तिशाली ब्रिटिश शासन की न्यू हिल गई महात्मा गांधी के अहिंसा आंदोलन में हमें दिखाया कि बिना बल प्रयोग या खून बहाए अपने से कहीं अधिक शक्तिशाली प्रतिद्वंद्वी पर कैसे काबू पाया जा सकता है संविधान यह सुनिश्चित करता है कि देश में कोई जाति पंथ या धार्मिक भेदभाव ना हो और गणतंत्र दिवस इसकी याद दिलाता है इस अवसर पर सुरेंद्र तिवारी अविनाश राघव टी आर जनार्दन कविता साहू प्राणीश चौबे ललित विश्वकर्मा रश्मि मिश्रा मिथिलेश वर्मा हरीश साहू दिनेश पटेल सुशीला जोशी रीता पांडे सुमन गोस्वामी रूबी सलूजा सनत धर दीवान हेमिन यादव मनोज शर्मा रघु तिवारी रेहाना रवानी सुनील नामदेव पप्पू साहब जनता साहू हरि साहू चितरेन वर्मा मिथलेश वर्मा नवीन ताम्रकार मन्नू बनाफर रमा साहू घनश्याम देवांगन वतन मिश्रा चेतन साहू कोमल पुरी गोस्वामी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विधायक दीपेश ने ध्वजारोहण कर वीर शहीदों व महापुरुषों को किया नमन

बेमेतरा। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर पूरे देश के साथ-साथ बेमेतरा जिले में भी हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में गणतंत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू ने अपने निवास कार्यालय सहित भारत माता चौक ,पांडे तालाब,निःशुल्क कोचिंग सेंटर, श्री राम एकैडमी एवं भाजपा जिला कार्यालय में ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। ध्वजारोहण उपरांत विधायक श्री साहू ने वीर शहीदों एवं राष्ट्र के महान महापुरुषों को नमन करते हुए उनके बलिदान और संघर्ष को स्मरण किया। और समस्त देश वासियों को गणतंत्र दिवश की बधाई एवं शुभकामनायें दी द्य इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारे संविधान और लोकतंत्र की मजबूती का आधार हमारे शहीदों का त्याग और संविधान निर्माताओं की दूरदृष्टि है। इस अवसर पर विधायक श्री साहू ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए देश की एकता, अखंडता एवं संविधान के मूल मूल्यों–न्याय, समानता और बंधुत्व–को आत्मसात करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में विधायक श्री दीपेश साहू जिला बेसिक स्कूल मैदान, बेमेतरा में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि सांसद श्री विजय बघेल जी के साथ सम्मिलित हुए, जहाँ उन्होंने तिरंगे को सलामी दी और कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर मैं स्वयं को अत्यंत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। यह दिन हमें हमारे संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्र की अखंडता की याद दिलाता है। आज का दिन उन वीर शहीदों और महान महापुरुषों को नमन करने का दिन है, जिनके त्याग और बलिदान के कारण हम एक स्वतंत्र, संप्रभु और लोकतांत्रिक भारत में जीवन जी पा रहे हैं। हमारा संविधान केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं, अधिकारों और कर्तव्यों का प्रतिबिंब है। हमें गर्व है कि भारत का संविधान हमें समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बंधुत्व का अधिकार देता है। मैं सभी देशवासियों से आह्वान करता हूँ कि हम अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें, समाज में सद्भाव और भाईचारा बनाए रखें तथा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। युवा शक्ति, किसान, मजदूर, महिलाएँ–सभी मिलकर ही भारत को विकसित राष्ट्र बना सकते हैं। बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में हम सब मिलकर इस क्षेत्र को प्रगति और समृद्धि की नई ऊँचाइयों तक ले जाएंगे–यही मेरा संकल्प है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा जनपद अध्यक्ष हेमा जय दिवाकर, शहर मंडल अध्यक्ष युगल देवांगन, पार्षद पंचू साहू, नीतू कोठारी, विकास तंबोली, रवि मूलवानी, सिमरन ताम्रकार,आकिब मलकानी, अमरिका निर्मलकर, रोशन दत्त, राजू देवांगन, रेवाराम निषाद, धर्मेंद्र साहू, डॉ. विनय साहू, संदीप यादव, नरेश साहू,गोलू कोसले,कमलेश वर्मा, लक्ष्मी साहू, सावित्री रजक, संजू सिंह राजपूत, प्रेमलता नीम गुप्ता,ममता साहू, उमेश्वरी साहू, राजीव तंबोली, ओंकार साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित रहे।

झंडाचौक में लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने किया झंडारोहण, आत्मानंद परिसर में जनपद अध्यक्ष ने फहराया तिरंगा

डोंगरगांव नगर। नगर में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस उमंग व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस मौके पर नगर के समस्त प्रायवेट व शासकीय संस्थानों में शान से झंडा फहराया गया। स्कूली बच्चों ने प्रातःकाल प्रभातफेरी निकालकर नगर भ्रमण किया। नगर के ऐतिहासिक झंडाचौक में पुर्व नगर पंचायत अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने झंडारोहण किया। नगर के समस्त स्कूलों के बच्चों की प्रभातफेरी नहर भ्रमण करते हुए झंडाचौक पुराना बसस्टैंड परिसर पहुँची। इस दरम्यान पुर्व नगर पंचायत अध्यक्ष एवं सांसद प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण गुप्ता ने झंडारोहण कर झंडे को सलामी दी। इस मौके पर समाजसेवी दिनेश गाँधी, मंडल भाजपा अध्यक्ष दीना पटेल, नगर पंचायत अध्यक्ष अंजू त्रिपाठी, उपाध्यक्ष रोहित गुप्ता व सीएमओ विनम्र जेमा सहित समस्त पार्षदगण, समस्त प्रशासनिक अधिकारीगण, नागरिकगण व स्कूली बच्चे बड़ी तादात में उपस्थित थे।

आत्मानंद में जपं अध्यक्ष द्वारा झंडारोहण

पीएमश्री व आत्मानंद स्कूल परिसर में आयोजित प्रशासन के मुख्य सांस्कृतिक आयोजन में जपँअध्यक्ष रंजीता पड़ौती ने झंडारोहण किया। उक्त अवसर पर एसडीएम श्रीकांत कोराम, तहसीलदार कमल किशोर साहू, जेपी खूंटे, झरना राजपूत, सीईओ रोशनी भगत टोप्पो, टीआई आशीर्वाद राहटगांवकर, सीएमओ विनम्र जेमा सहित विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com